सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दूसरा टेस्ट : यशस्वी के शतक से भारत ने बनाये दो विकेट पर 318 रन -पेज: 7

अली अबास जफर की फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 184 | शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

बिहार चुनाव में बुर्के वाली महिलाओं की पहचान में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता करेंगी मदद, ईसी ने बताई पूरी रणनीति

बिहार एजेंसी: निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मतदान केंद्रों पर बुर्का पहनकर या पर्दे में आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान गरिमापूर्ण" तरीके से सत्यापित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि ह्यपर्दा-नशीं' महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए महिला मतदान अधिकारियों या परिचारिकाओं की उपस्थिति में ह्यह्यगरिमापूर्ण तरीके से उनकी पहचान" सत्यापित करने के उसके निदेर्शों के अनुसार मतदान केंद्रों पर ह्यह्यविशेष व्यवस्था" की जाएगी तथा उनकी गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि बुर्का पहनकर आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने में मदद के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिहार के सभी मतदान केंद्रों पर मौजूद रहेंगी। कुमार ने घूंघट और बुर्का पहनी महिलाओं के बारे में संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि मतदान केंद्रों के अंदर पहचान सत्यापित करने के बारे में आयोग के स्पष्ट दिशानिर्देश हैं और उनका सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यबुकाधारी महिलाओं की पहचान सत्यापित करने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर हमारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तैनात रहेंगी। आयोग के दिशानिर्देश इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट हैं कि मतदान केंद्र के अंदर पहचान कैसे सत्यापित की जाती है और उनका सख्ती से पालन किया जाएगा।" निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को कहा था कि 90,712 आंगनवाड़ी सेविकाओं को चुनाव ड्यूटी पर तैनात किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पिछले शनिवार को आयोग से आग्रह किया था कि बुर्का पहनकर मतदान केंद्रों पर आने वाली महिलाओं के चेहरों का मिलान मतदाता पहचान पत्रों से किया जाए। बिहार में 243 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी।

निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मतदान केंद्रों पर बुर्का पहनकर या पर्दे में आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान गरिमापूर्ण" तरीके से सत्यापित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि...

1.45 करोड़ की लूट मामले में टीआई सहित 9 पुलिसकर्मी सस्पेंड

सिवनी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सिवनी पुलिस पर 1.45 करोड़ की लूट के आरोप लगे हैं। मामले कार्रवाई करते हुए आईजी प्रमोद वर्मा ने बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है, सीएसपी पूजा पांडे के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। पुलिस के सूत्रों ने बताया कि कटनी से नागपुर के लिए एक कारोबारी अपनी गाड़ी में हवाला के 1.45 करोड़ लेकर जा रहा था। तभी पुलिस को इस बात की सूचना मिली, इसके बाद गाड़ी को सीलादेही के पास रोककर 1.45 करोड़ बरामद किए गए। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई न करने का आश्वासन देकर व्यापारी को जाने देकर राशि का गबन किया। दूसरे दिन जब व्यापारी वापस पहुंचा और कोतवाली में पूरी घटना की शिकायत दी। तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। निलंबित पुलिसकर्मियों में बंडोल टीआई अर्पित भैरम, सीएसपी का रीडर रविंद्र उइके, ड्राइवर, दो गनर, सीएसपी कार्यालय में तैनात दो आरक्षक और बंडोल थाने का एक आरक्षक शामिल है। आईजी वर्मा ने बताया कि 1.45 करोड़ की बरामदगी के मामले में बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। साथ ही सीएसपी पूजा पांडे के ख़िलाफ़ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा आया

थूथुकुडी (एजेंसी)। तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर को श्रद्धालुओं से भारी मात्रा में चढ़ावा मिला है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, हाल ही में खुले हंडियों (दानपात्र) से कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा प्राप्त हुआ है। इसमें नकद राशि के साथ 1,905 ग्राम सोना और 72,255 ग्राम चांदी शामिल है। शुक्रवार को चढ़ावे की गिनती का कार्य शुरू हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस प्रक्रिया की निगरानी ठक्कर अरुलमुरुगन और जॉइंट कमिश्नर रामू कर रहे हैं। गिनती में शिवकाशी पथिनेन सिद्धार मठ पीडम टीम की मदद ली जा रही है। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए मंदिर प्रशासन ने सख्त सुरक्षा व्यवस्था की है। तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भगवान मुरुगन के छह प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। यहां हर साल लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। विशेष रूप से त्यौहरों और कार्तिगई दीपम के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त चढ़ावे का उपयोग मंदिर के रखरखाव, सामाजिक कल्याण और भक्तों की सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा। सोना और चांदी को धार्मिक परंपराओं के अनुसार संरक्षित किया जाएगा। इस भारी चढ़ावे ने एक बार फिर तिरुचेंदूर मंदिर की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को उजागर किया है, जहां भक्त आस्था और श्रद्धा के साथ अपनी भेंट अर्पित करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 37 दिनों में फैसला, आरोपी को 20 साल की जेल और 50 हजार जुर्माना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भुवनेश्वर में विशेष न्यायाधीश प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) सह चौथे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, खुर्दा ने ऐतिहासिक और त्वरित फैसले में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 37 दिनों के भीतर दोषी ठहराया। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सुभंजन मोहंती ने दुष्कर्म और गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में मामला दर्ज होने की तारीख से 37 दिनों के भीतर दोषसिद्धि का फैसला सुनाया। दोषी मुन्ना बेहरा को 20 साल के सश्रम कारावास (आरआई) और 50,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान करने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना ना देने पर एक साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को अदालत द्वारा पीड़िता को छह लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया।विशेष लोक अभियोजक सुव्रत प्रियदर्शिनी ने भुवनेश्वर के अभियोजन उप निदेशक हेमंत कुमार स्वाईं की सक्रिय निगरानी में मामले की सुनवाई की थी।

आतंकी जैश संगठन अब महिलाओं का कर रहा ब्रेनवॉश, तैयार कर रहा ब्रिगेड

-पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने दे रहा धार्मिक रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिसमें जैश का हेडक्वार्टर भी शामिल था। अब एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि जैश के आतंकी भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जैश-ए-मोहम्मद अब महिलाओं का एक ब्रिगेड तैयार कर रहा है। 2024 के बाद से महिलाओं के बीच प्रभाव बढ़ाने के मकसद से जैश ने जमात अल-मुमिनात नाम की महिलाओं की ब्रिगेड तैयार की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस ग्रुप का जिक्र एक सर्कुलर में किया गया है, जिसका इस्तेमाल महिला सदस्यों की भर्ती और उन्हें प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जमात अल-मुमिनात जैश-ए-मोहम्मद का महिला विंग है, जो साइकोलॉजिकल वारफेयर और ग्राउंड लेवल पर भर्ती के लिए काम कर रहा है। यह ग्रुप जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और दक्षिण भारत के राज्यों में ऑनलाइन नेटवर्क के जरिए सक्रिय है। इसका काम धर्म के नाम पर महिलाओं का ब्रेनवाश करना है। सूत्रों के मुताबिक जैश के सर्कुलर में मक्का और मदीना की तस्वीरें लगाई गई है ताकि संगठन की बातों को धार्मिक रंग दिया जा सके। वहीं इसके जरिए पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने के लिए भावनात्मक बातें भी लिखी गई हैं। जैश की तरह जमात अल-मुमिनात भी सेल-आधारित स्ट्रक्चर पर काम करती है। इसके अलग-अलग ग्रुप सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को भर्ती करने, चंदा जुटाने और संदेश पहुंचाने का काम करते हैं। सर्कुलर के पाकिस्तानी कनेक्शन के सबूत भी मिले हैं।

ट्रंप की प्रशंसा करने पर पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता का तंज... अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करने पर तीखा कटाक्ष किया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा करते हुए अर्धशतक पूरा कर लिया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यापार और टैरिफ को इस्तेमाल किया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, व्यापार और टैरिफ को अपना ब्रह्मास्त्र बनाकर ऑपरेशन सिंदूर रोकने के अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया। ट्रंप की प्रशंसा और सराहना के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर कांग्रेस नेता ने गाजा में नरसंहार की निंदा न करने और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात न करने पर भी तंज कसा। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को पूरा दिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करने और राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा करने में बिताया। बेशक, वह इस दौरान उस व्यक्ति से बात करना नहीं भूले जिसने गाजा में नरसंहार किया था, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी। इससे पहले 9 अक्टूबर को, कांग्रेस सांसद ने कहा था कि गाजा शांति योजना के पहले चरण पर समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री की बिना शर्त प्रशंसा चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय है। लेकिन चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय बात यह है कि श्री मोदी ने श्री नेतन्याहू की बिना शर्त प्रशंसा की है जिन्होंने पिछले बीस महीनों में गाजा में नरसंहार फैलाया है।

'नेपो बॉय' राहुल गांधी पर गिरिराज का बड़ा वार, कहा- यह लाल बबुआ अगंभीर नेता हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें ÷लाल बबुआ÷ कहा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस नेता विदेश में रहते हुए वीडियो कॉल के ज़रिए बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। सिंह ने राहुल गांधी को एक गंभीर नेता करार देते हुए उन पर केवल भारत को नीचा दिखाने और देश में झूठी बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा और नेपो बॉय बताया और कहा, 'एक शब्द है 'नेपो किड'। मैं उन्हें नेपो किड नहीं कहूँगा क्योंकि वह एक 'नेपो बॉय' हैं। एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा, वह एक 'लाल बबुआ' हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह विदेश में बैठकर वीडियो कॉल के ज़रिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं, तो मतदाता भी उनसे वर्चुअली मिलेंगे। वह एक अगंभीर नेता हैं जिनका एकमात्र काम भारत को नीचा दिखाना और देश में झूठी बातें फैलाना है।

गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विशेष जाँच रिपोर्ट (एसआईआर) पर दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने उन पर अपने नेतृत्व में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों को सुरक्षित महसूस कराने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं पर हमलों को उजागर करते हुए, सिंह ने कहा, 'ममता बनर्जी को खुद को भारत के एक राज्य की मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने की ज़रूरत है। वह सोचती हैं कि वह बंगाल की प्रधानमंत्री हैं, इसलिए वहाँ का कानून अलग है... केवल रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमान (बंगाल में) सुरक्षित हैं...क्या भारतीय नागरिकों के लिए प्रमाणपत्र होना ज़रूरी होना चाहिए? मैं यह (प्रश्न) देश के नागरिकों के सामने रखता हूँ। तब ममता बनर्जी समझ जाएँगी।'

अयोध्या में घर में हुए विस्फोट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा, 'मुझे पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन विस्फोट एक दुखद खबर है। अभी तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जब मस्जिद में विस्फोट होगा, तब वे प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। जिसने भी यह अपराध किया है, उसे सजा मिलेगी।'

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति : उद्धव

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोगों ने ''अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है'' और उन्हें यह समझाना ज़रूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) क़रीब भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना ज़रूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का ज़िक्र कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए 'अपर्याप्त' वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

केंद्रीय मंत्री का दावा कहा- उच्च जाति के लोगों को खटकता है दलित समुदाय का सीजेआई होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई के सामने जूता उछालने की घटना पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दावा करते हुए कहा कि यह घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर सके कि दलित समुदाय से आने वाले न्यायमूर्ति गवई इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं। बता दें कि सोमवार को राकेश किशोर नाम के 72 वर्षीय वकील ने कोर्ट में सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, तब हरकत में आए सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया था। उस दौरान सीजेआई ने किशोर को जाने देने के लिए कहा था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी परिसर में लंबी पूछताछ के बाद वकील को छोड़ दिया था।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। प्रमुख दलित नेता और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह घटना निंदनीय है। मंत्री ने कहा, प्रधान न्यायाधीश पर हमले का प्रयास पहली बार हुआ है। भूषण गवई दलित समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि उच्च जाति समुदाय के कुछ सदस्य इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं।आठवले ने कहा, मैं मांग करता हूं कि आरोपी पर एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि न्यायमूर्ति गवई पर इसलिए हमले का प्रयास किया गया क्योंकि वह दलित हैं। इससे पहले किसी भी प्रधान न्यायाधीश पर हमला नहीं हुआ था।

गवई ने गुरुवार को कहा कि वह और जस्टिस के विनोद चंद्रन उस समय स्तब्ध रह गए थे जब छह अक्टूबर को एक वकील ने उन पर जूता फेंकने का प्रयास किया था। प्रधान न्यायाधीश ने जूता फेंकने के प्रयास की घटना पर कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे विद्वान साथी (न्यायमूर्ति चंद्रन) बहुत स्तब्ध हैं; हमारे लिए यह एक भुलाया जा चुका अध्याय है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किशोर की सदस्यता खत्म कर दी है। इसके अलावा वकील के सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है। जूता फेंकने के मामले में आरोपी का कहना है कि वह भगवान विष्णु की मूर्ति को लेकर सीजेआई की तरफ से की गई टिप्पणी से आहत है।

दिल्ली-एनसीआर में बच्चों को दीवाली का जश्न मनाने दें...सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

-राज्यों ने 2 घंटे ग्रीन पटाखे फोड़ने की मांगी परमिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति से जुड़ी याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर से जुड़े राज्यों ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि इस दीवाली पर सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखों को फोड़ने की अनुमति दी जाए, ताकि बच्चे त्यौहार का आनंद ले सकें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जिन्होंने राज्यों की ओर से पक्ष रखा, ने कोर्ट से अनुरोध किया कि बच्चों को कम से कम दो घंटे पटाखे फोड़ने की अनुमति दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रात 8 बजे से 10 बजे तक प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत दी जा सकती है। मेहता ने कहा, दीवाली बच्चों का त्योहार है। उन्हें दो दिन तो जश्न मनाने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राज्यों की ओर से कुछ व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं, जिन पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अनुमति केवल नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री तक सीमित रखी जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर को अपने आदेश में एनईईआरआई-सर्टिफाइड ग्रीन पटाखों के निर्माण की अनुमति दी थी, लेकिन एनसीआर क्षेत्र में उनकी बिक्री पर रोक बरकरार रखी थी, जब तक कि कोर्ट से स्पष्ट मंजूरी न मिल जाए।

दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के 16 जिले शामिल हैं, जहां वायु प्रदूषण हर साल दीवाली के बाद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों से अदालत और प्रशासन द्वारा पारंपरिक पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

95 साल से किसी भी भारतीय वैज्ञानिक को नहीं मिला नोबेल पुरस्कार

-कम फंडिंग, नौकरशाही, शोध क्षमताओं के विकास में बाधाओं के कारण भारत पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को फिजिक्स, केमिस्ट्री या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिले अब 95 साल हो गए हैं। 1930 में सी वी रमन को फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार मिला था, जो आज तक भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को मिला एकमात्र सम्मान है। इसके बाद हरगोविंद खुराना (1968, मेडिसिन), सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर (1983, फिजिक्स) और वेंकटरमन रामकृष्णन (2009, केमिस्ट्री) ने यह पुरस्कार जीता था, लेकिन ये सभी अपने काम के समय भारत से बाहर रहते थे और भारतीय नागरिक नहीं थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वैज्ञानिक और शोध क्षमताओं के विकास में कई बाधाएं आती हैं। मूलभूत रिसर्च पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता, सरकारी फंडिंग कम है और नौकरशाही के कारण काम धीमा होता है। निजी क्षेत्र में रिसर्च के लिए प्रोत्साहन और अवसर सीमित है। विश्वविद्यालयों में शोध क्षमता कमजोर है और जनसंख्या के अनुपात में शोधकर्ताओं की संख्या वैश्विक औसत से पांच गुना कम है। यही कारण है कि भारत में नोबेल पुरस्कार के लिए योग्य वैज्ञानिकों का समूह बहुत छोटा है।

भारत से कई वैज्ञानिकों को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया गया, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला। मेघनाद साहा, होमी भाभा और सत्येंद्रनाथ बोस को फिजिक्स में, जीएन रामचंद्रन और टी शेषाद्रि को केमिस्ट्री में और उपेंद्रनाथ ब्रह्मचारी को मेडिसिन में नामांकित किया गया। जगदीश चंद्र बोस और के एस कृष्णन जैसे वैज्ञानिक अपने अहम योगदान के बावजूद वंचित रहे। ईसीजी सुदर्शन को 1979 और 2005 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से दो बार वंचित रखा गया। सीएनआर राव के सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री में योगदान को भी नोबेल योग्य माना, लेकिन उन्हें अब तक यह सम्मान नहीं मिला है।

वैज्ञानिक पुरस्कारों में अमेरिका और यूरोप का दबदबा ज्यादा रहा है। उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अलावा केवल नौ देशों के शोधकर्ताओं ने विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीते हैं। जापान ने 21 पुरस्कार जीतकर एशिया में सबसे ज्यादा जीते हैं। अमेरिका और यूरोप में मजबूत रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय सहयोग और बेहतर इको-सिस्टम के कारण वहां के वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार जीतने में सफलता मिलती है।

भारत के वैज्ञानिकों को सम्मान नहीं मिलने का कारण केवल पुरस्कार प्रणाली नहीं है। अनुसंधान के लिए फंडिंग, बुनियादी ढांचा और सरकारी समर्थन की कमी ने वैज्ञानिकों के काम को पूरी तरह विकसित होने से रोका है। भविष्य में भारत के वैज्ञानिकों की नोबेल जीत मुख्य रूप से उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और जुगाड़ पर निर्भर रहेगी, न कि सिस्टम के समर्थन पर।

संपादकीय

विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की उत्पादक यात्रा पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन सहित विश्व नेताओं से द्वीपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यूक्रेन संघर्ष को यथा शीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है। यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढेंगे। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं, जो भविष्य के विकास की नींव हैं। उन्होंने इन संबंधों को दलगत राजनीति से ऊपर बताया और अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त बताया। पुतिन ने रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की भी आलोचना की। रूस हमेशा से भारत का मुखर समर्थक रहा है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्यता मिलने का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के रूसी तेल और हथियार खरीदने पर भारत को दंड़ित करने के लिए 50प्र. टैरिफ लगाया है, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। भारत और रूस, दोनों के बीच लगभग पंद्रह साल पहले शुरू हुई रणनीतिक साझेदारी के आधार पर द्विपक्षीय संबंध विकसित हो रहे हैं। इस मुलाकात को ट्रंप को सीधा चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत पुतिन की युद्ध मशीनरी को वित्त-पोषित कर रहा है और रूसी ऊर्जा की बिक्री से भारी मुनाफा भी कमा रहा है जबकि भारत साफ कर चुका है कि रूसी तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रख कर की गई है। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। देश के ऊर्जा आयात मास्को की हिस्सेदारी 40प्र. है। बेशक, भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों का बचाव करते हुए कहता रहा है कि हम अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देख सकते। इस बैठक को अमेरिका कैसे देखता है, से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि व्यापार असंतुलन को सुधारने के प्रति सकारात्मक रणनीति बनाई जाए और व्यापार में विविधता लाने के प्रयास किए जाएं। भारत, चीन और रूस की इन उत्पादक बैठकों को देख कर अमेरिका की त्योरियां चढ़ने की अब कोई फिक्र करता नहीं नजर आ रहा।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरूआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वहीं सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।
धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है।
संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकने में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं

किशन सनमुखदास भावनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मादक पदार्थों के सेवन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा उसकी अवैध तस्करी के मामलों से करीब-करीब हर देश पीड़ितहै और यह समस्या दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। खासकर मानवीय युवा पीढ़ी जिन्हें भविष्य की बागडोर संभालनीं है, यानें हमारी अगली पीढ़ी बनने वाले युवा और बच्चों की रुचि मादक पदार्थों में बढ़ती ही जा रही है।हम अपने आसपास भी देखते होंगे कि बच्चे भी सिगरेट, बीड़ी, बीयर पीने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं जो वैश्विक समस्या बनती जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यहां गुटखा पाबंदी होने के बावजूद स्कूलों के आसपास भी भारी मात्रा में तंबाकू युक्त गुटके मिलते रहते हैं जो बिना मिलीभगत के संभव नहीं है, नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है।शराब, सिगरेट,तम्बौकू एवं ड्रग्सन जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हि?स्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल्वे.प्ले टफार्म पर रहने वाले बच्चेंं भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। लोग सोचते हैं कि वो बच्चेंक कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थों की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर,नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं।नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब व्याक्तिह मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है।इसीलिए ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ हम इस आर्टिकल के माध्यम से,आओ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी को रोकने सक्रिय भूमिका बढ़ाएं पर परिचर्चा करेंगें।
साथियों बात अगर हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की करें तो, ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने उल्लेख किया है, एक साथ, हम विश्व नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं। मजबूत दृढ़ संकल्प और नशीली दवाओं से संबंधित ज्ञान साझा करके, हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एकअंतरराष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।जब ड्रग्स का दुरुपयोग व्यापक रूप से समाज के अमीर और गरीब वर्ग के बीच फैल जाता है तो उस समय सबसे अधिक अनिवार्य है नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहायता की जरूरत की। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ युद्ध में प्रसिद्ध कहावत रोकथाम इलाज से बेहतर है, काफी प्रासंगिक है। ड्रग्स के दुरुपयोग और इससे जुड़ी अवैध तस्करी के खिलाफ जनजागृति बढ़ाना जरूरी है।
साथियों बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में है। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा हृदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है। नशीली दवाओं की लत एक कट्टर दानव है जो हमारे समाज के विकास पर रोक लगा सकती है। कैंसर जैसी अनेक भयंकर बीमारियां हमेशा सक्रियता से होने का डर बना रहता है।
साथियों बात अगर हम भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं, की करें तो भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोका जा सके।यहां कुछ प्रमुख सरकारी प्रयासों का विवरण दिया गया है:(1)नशा मुक्त भारत अभियान-यह अभियान अगस्त 2020 में शुरू किया गया था,इसका उद्देश्य देशभर में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना, लोगों को सहायता देना और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराना है।अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा चुका है, 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 8,000 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स इस अभियान में जुड़े हैं। (2) कानूनी और प्रशासनिक सख्ती-नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट के तहत सख्त कानून बनाए गएहैं2014 के बाद से ड्रग्स के मामलों में 152 पेर्सेंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, गिरफ्तारियों में 400 पेर्सेंट की वृद्धि हुई है और जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 30 गुना बढ़ा है। 2014 से अब तक 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं। (3) इंटर-एजेंसी समन्वय और तकनीकी उपाय - नारको कोऑर्डिनेशन सेंटर और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी के जरिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है।सिम्स पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे ड्रग्स से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग और डेटा ट्रैकिंग आसान हुई है।समुद्री मार्गों की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है। (4) जागरूकता और शिक्षा-स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और

काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नशे के दुष्परिणाम समझ सकें और समय रहते मदद ले सकें। (5) पुनर्वास और सहायता केंद्र- देशभर में सरकारी और गैर-सरकारी पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां नशा पीड़ितों को इलाज, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिलती है। (6) सीमा सुरक्षा और तस्करी पर नियंत्रण-भारत की सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों को मजबूत किया गया है, ताकि ड्रग्स की तस्करी को रोका जा सके।ड्रग्स की तस्करी के मामलों में वित्तीय जांच और संपत्ति जब्त करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। (7) समुदाय और परिवार की भागीदारी-सरकार समुदाय और परिवारों को भी नशा मुक्ति अभियान में शामिल कर रही है, ताकि समाज का हर वर्ग इसमें भरपूर स्वेच्छा से सहयोग दे सके।
अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकनें में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने समुदायिक सहायता की जरूरत है।मादक पदार्थों के प्रयोग से दुष्प्रभाव-परिवारों से विच्छेदन, आपराधिक प्रवृत्ति में वृद्धि, शारीरिक व मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आती है।

बच्चों के भविष्य को अंधकार में डाल रहा है सोशल मीडिया

लेखक रोहित कुमार

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है, लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग उनके भविष्य को अंधकार में डाल रहा है। सोशल मीडिया की चमक-दमक और आकर्षण बच्चों को अपनी ओर खींच रहे हैं, जिससे उनकी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। सोशल मीडिया का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव है बच्चों की एकाग्रता में कमी। इंस्टाग्राम, टिकटॉक और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर घंटों बिताने से उनकी पढ़ाई और रचनात्मकता प्रभावित हो रही है। लगातार स्क्रॉलिंग और छोटे-छोटे वीडियो देखने से उनकी ध्यान अवधि कम हो रही है, जिसका असर उनकी शैक्षिक उपलब्धियों पर पड़ता है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर अनुचित सामग्री और साइबरबुलिंग बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बच्चे ऑनलाइन तुलना और ट्रोलिंग के कारण आत्मविश्वास की कमी और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया की लत बच्चों को सामाजिक रूप से भी अलग-थलग कर रही है। वास्तविक रिश्तों और आमने-सामने की बातचीत के बजाय, बच्चे वर्चुअल दुनिया में डूबे रहते हैं। इससे उनकी संवाद कौशल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर नकारात्मक असर पड़ता है। शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ रही हैं। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बच्चों की गोपनीयता खतरे में पड़ रही है। डेटा चोरी और ऑनलाइन शोषण के मामले बढ़ रहे हैं, जो उनके भविष्य के लिए गंभीर खतरा हैं। इस समस्या से निपटने के लिए माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर नजर रखनी होगी। समय सीमा निर्धारित करना, डिजिटल शिक्षा देना और वास्तविक दुनिया में रुचि बढ़ाने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो सोशल मीडिया बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को और अंधकारमय बना सकता है।

बालिकाओं को उड़ान दें, समाज को नई दिशा दें

जब तक हमारे समाज में बेटियों के प्रति ज्यादतियां होती रहेंगी, तब तक हम कितना भी समृद्ध, उदारवादी विकसित समाज होने का ढोल पीट लें हमारी वास्तविकता कुछ और ही है। 2011 की जनगणनाः भारत में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाएँ थीं, लिंगभेद की स्थिति इसी से समझी जा सकती है। भारत में पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% और महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% है, जो शिक्षा में लिंग अंतर को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में पुरुषों का अनुपात ज़्यादा है, और महिला शिक्षकों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम है। पुरुष शिक्षकों और उच्च शिक्षा में कुल नामांकित छात्रों की संख्या में महिलाओं की तुलना में अधिक है। कई सामाजिक कारक, जैसे कि कम उम्र में विवाह, बाल श्रम, और आर्थिक तंगी, लड़कियों की शिक्षा में बाधाएँ उत्पन्न करती हैं और उनके स्कूल छोड़ने की दर को बढ़ाती हैं। आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है। जब हमारे देश में हाथरस, मंदसौर, कोलकाता, उन्नाव, कठुआ, बुलन्दशहर, हैदराबाद आदि से रेप की दर्दनाक खबरें आती हैं और जहां से भी छोटी - छोटी बालिकाओं पर ज्यादतियों की खबरें आती हैं, तो पूरे समाज पर प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं कि हमारे समाज में शिक्षा एवं संस्कारों मे ये कैसी गिरावट है जहां छोटी - छोटी बालिकाएं कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहीं हैं। लिंग भेद ऐसा कि अपनों के बीच भी बच्चियों को गैरों जैसा दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है।
जब पाकिस्तान में मलाला यूसुफजई ने बेटियों के शिक्षा का मुद्दा उठाया, तो कट्टरपंथी लोगों ने उन पर जानलेवा हमला किया, ऐसे-ऐसे मुद्दे जब मेन स्ट्रीम में आते हैं, तब समाज की हकीकत सामने आ जाती है, दरअसल हमारे समाज में आज भी लड़कियों को लड़कों के बराबर न मानने वाले लोगों की संख्या ज़्यादा है, हालांकि समाज के लिए सोचने वाले कुछ अग्रणी लोग एनजीओ के माध्यम से ही सही बालिकाओं के लिए कुछ न कुछ योगदान दे रहे हैं, परंतु ये काफी नहीं है। यही कारण है कि हर साल 11 अक्टूबर को इंटरनेशनल डे ऑफ गर्ल चाइल्ड यानी कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इसे मनाने की शुरूआत यूनाइटेड नेशन ने 2012 में की थी। इस दिन को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य था लड़कियों के विकास के लिए अवसरों को बढ़ाना और लड़कियों की दुनियाभर में कम होती संख्या के प्रति लोगों को जागरूक करना, जिससे कि लिंग असमानता को खत्म किया जा सके। लिंग असमानता भारत सहित पूरी दुनिया की सच्चाई है।
इस दिन को मनाने का उद्देश्य यह भी है कि समाज में जागरूकता लाकर लड़कियों को वे समान अधिकार दिलाए जा सकें, जो कि लड़कों को दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को बढ़ावा देने के लिए इस दिन अलग-अलग देशों में कई तरह के आयोजन भी किए जाते हैं जिसके अंतर्गत लड़कियों की शिक्षा, पोषण, उनके कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल के प्रति उन्हें और समाजजनों को जागरूक किया जाता है। लड़कियों को सुरक्षा मुहैया कराना, उनके प्रति भेदभाव व हिंसा खत्म करना। बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाना भी इस दिन को मनाने के कारणों में शामिल है। 11 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर, 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से घोषित किया गया था। इसे पहली बार 11 अक्टूबर, 2012 को मनाया गया था। यह वार्षिक दिवस 1995 के बीजिंग घोषणापत्र और कार्य योजना से जुड़ा है, जिसने पहली बार दुनिया भर में बालिकाओं के विशिष्ट अधिकारों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला था।
प्लान इंटरनेशनल ने इस पहल का नेतृत्व किया, जिसमें कनाडा सरकार सहित कई देशों का मजबूत समर्थन मिला। यह कार्यक्रम बालिकाओं के सशक्तीकरण, मानवाधिकारों और उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी के हित में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भेदभाव और हिंसा जैसी बाधाओं पर दुनिया का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करता है। इस दिन दुनिया भर में बालिकाओं के लिए एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है।
आज 11 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम हैः ह्रद गर्ल आई एम, द चेंज आई लीडः गर्ल्स ऑन द फ्रंटलाइन्स ऑफ क्राइसिसह्व इस थीम का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है जिनका सामना बालिकाओं को करना पड़ता है, और उनकी दृढ़ता, नेतृत्व तथा मजबूत आवाजों पर, जो मानवीय, सामाजिक और पर्यावरणीय संकटों के खिलाफ खड़ी होती हैं। चूँकि संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएँ बालिकाओं के खिलाफ असमान रूप से भारी पड़ती हैं, इसलिए यह विषय परिवारों, समुदायों और समाजों में परिवर्तनकारी भूमिकाएँ निभाने में उनके साहस को दर्शाता है। यह बालिकाओं को परिस्थितियों के शिकार के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लड़कियों के अनुभवों और नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे सक्रिय रूप से एक बेहतर और अधिक समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें। यह नारा दुनिया को याद दिलाता है कि हर बालिका में क्षमताएँ भरपूर होती हैं और यह समाज का दायित्व है कि वह उनमें से प्रत्येक को संकट की स्थिति में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करें'
(लेखक पत्रकार हैं)

अमरोहा
शनिवार- 11 अक्टूबर 2025
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

वेंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी ऑफ नर्सिंग एवं वेंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस में मेन्टल हैल्थ अवेयरनेस वीक-2025 का शानदार समापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- श्री वैंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी संस्थान में एक सप्ताह तक चले इस मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह में इस वर्ष मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम आपदा एवं आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य विषय पर सेमिनार , नुक्कड़ नाटक, पोस्टर कॉम्पिटिशन, जागरूकता रैली समेत आधा दर्जन से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।समापन दिवस की थीम आपदाओ एवं आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य पर वक्ताओ ने विषम परिस्थितियों में विशेष रूप से भौगोलिक दृष्टि से विषम प्रदेशों एवं दूर दराज के लोगो को, कैसे मानसिक स्वास्थ्य एवं डिसआर्डर का उपचार किया जाये इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। बता दें कि शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान के अंतर्गत संचालित वैंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस एवं मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के मनोरोग विभाग की ओर से पांच दिवसीय मेन्टल हैल्थ अवेयरनेस वीक-2025 (06 अक्टूबर- 10 अक्टूबर) का शानदार समापन हो गया। पांच दिनो तक चले इस मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह में इस वर्ष की थीम आपदाओ एवं आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य विषय से सम्बन्धित एक दर्जन कार्यक्रम आयोजित किये गये। वेंक्टेश्वरा स्कूल ऑफ नर्सिंग एवं वेंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंसेस के हॉस्पिटल ब्लॉक के स्वागत परिसर में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह समारोह की समापन सेरेमनी का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे, डीन मेडिकल डॉ0 संजीव एच0 भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 सुरेश मेहता, विभागाध्यक्ष मनोरोग डॉ0 संदीप चैधरी, डॉ0 मंजरी राणा, डॉ0 मनीष शर्मा आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। इसके बाद एम0बी0बी0एस0 छात्र अनिकेत पंत की टीम ने शानदार गीत एवं नुक्कड़ नाटक द्वारा व्यक्तित्व विकास में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व बताया। इसके बाद प्रो0 मनीष शर्मा, स्कूल ऑफ नर्सिंग द्वारा आपदाओ एवं आपात स्थितियो में मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।उन्होने समाज में मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु सामूहिक प्रयासो और समुदाय आधारित पहलो के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात एम0बी0बी0एस0 छात्रो द्वारा एक समूह नृत्य का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसने वातावरण को सकारात्मकता और ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम का शानदार संचालन सुश्री डॉ0 कृति कंवर, क्लिनिकल सायकॉलजिस्ट मनोरोग विभाग तथा डॉ0 श्रेया शर्मा, जूनियर रेजिडेंट मनोरोग विभाग द्वारा किया गया। समापन अवसर पर डॉ0 मंजरी राणा ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विम्स अस्पताल का मनोरोग विभाग मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत है न केवल अस्पताल परिसर में, बल्कि सामुदायिक स्तर पर भी विभिन्न आउटरीच प्रोग्राम, मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक और कार्यशालाओ के माध्यम से भी जागरूकता बढ़ा रहा है। उन्होने सभी से आग्रह किया कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में सकारात्क दृष्टिकोण विकसित करने और कलंक को कम करने में सक्रिय भूमिका निभायें। इस समापन सेरेमनी के साथ ही चले कई कार्यशालाओ, संवाद सत्रों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित किया गया। जिनका उद्देश्य छात्रो, स्टॉफ और समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है इस अवसर पर डॉ0 मनीष शर्मा, डॉ0 मंजरी राणा, डॉ0 सहर्ष वाल्टर, निशा, इस्मिता, हुमा, अलीशा, सुमन, इंदु, जूही, हिमानी, बॉबी, अखिल, जुबेर, अनुज, शोएब, संजीव, डॉ0 चित्राजित सिंह जुनेजा, डॉ0 कृति कंवर, डॉ0 विवेक पाठक, डॉ0 स्नेहांगी, डॉ0 विदिशा, डॉ0 गजल, डॉ0 मयंक, डॉ0 बी0एस0 त्यागी, एम0ए0 चैधरी, डॉ0 रूचि मान, डॉ0 प्रेरणा, डॉ0 श्रेया, डॉ0 अनमोल एवं मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

गजरौला पुलिस ने दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली पुलिस ने स्मैक के दो तस्करों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय को भेज दिया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने लगभग डेढ़ लाख रुपए की स्मैक बरामद की है। पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को गुरुवार की रात नवादा रोड पर किया गया। बता दें कि शुक्रवार को गजरौला नगर कोतवाली पुलिस द्वारा स्मैक की सप्लाई करने वाले दो तस्करों नावेद पुत्र जफर अली निवासी मोहल्ला सुल्तान नगर गजरौला ,अमरोहा एवं शाजेब पुत्र राशिद निवासी मोहल्ला जलानगर गजरौला ,अमरोहा को स्मैक की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया है। बता दें कि उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक नवादा रोड पर स्थित एक जिम के ऊपर स्मैक का अवैध कारोबार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर प्रवीण कुमार ने आरक्षी शरद और मोहित के साथ मिलकर छापेमारी की ओर दोनों युवकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों के कब्जे से पुलिस ने 15 ग्राम स्मैक बरामद की जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस द्वारा दोनों युवकों के खिलाफ अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर दी गई है। बताया जा रहा है कि जनपद में स्मैक का अवैध कारोबार काफी लंबी समय से चल रहा है और पुलिस इस पर लगातार कार्यवाही कर रही है।

तिगरी मेला को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए की गई पुलिस कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा आगामी ऐतिहासिक राजकीय तिगरी मेला को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु की गयी तैयारियों/प्रबन्ध के सम्बन्ध में पुलिस कार्यालय सभागार में समीक्षा गोष्ठी कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । पुलिस अधीक्षक द्वारा मेले को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु की गयी तैयारियों की समीक्षा, पुलिस व्यवस्थापन तथा भीड नियन्त्रण के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान द्वारा गंगा घाट, गंगा रोड, रुट डायवर्जन व्यवस्था, मचान, बैरिकेडिंग, वाहन पार्किंग, कोतवाली सहित अन्य व्यवस्थाओं की बाबत जानकारी कर श्रद्धालुओं के सुगम व सुरक्षित आवागमन हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। श्रद्वालुओं के वाहनों के लिये पार्किंग स्थल, मेले में प्रमुख चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के मदद से कन्ट्रोल रूम से सतर्क दृष्टि रखी जाये, मेले के दौरान गंगा घाट पर समुचित पुलिस बल लगाकर भीड नियन्त्रण को प्रभावी बनाया जाये, मेले में कहीं भी भगदड की स्थिति उत्पन्न न होने पाये उसके लिये पर्याप्त पुलिस प्रबंध किया जाये साथ ही मेला स्थल व मेले में गंगा नदी के किनारे बनाये जाने वाले विभिन्न गंगा घाटों का निरीक्षण कर सम्बन्धित को उचित प्रकाश की व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ताकि श्रद्धालुओं को स्नान करने में समस्या ना हो और किसी भी समय स्नान कर सके । सीसीटीवी लगाकर सतर्क दृष्टि रखने व ड्रोन कैमरा की मदद से निगरानी कराये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाये तथा किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करने वाले के प्रति वैधानिक कार्यवाही की जाये। गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा, क्षेत्राधिकारी धनौरा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, प्रभारी छक्का, प्रभारी निरीक्षक गजरौला व धनौरा, प्रभारी यातायात अमरोहा आदि अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे ।

ग्राम सिरसा मनिहार में पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की ग्राम पंचायत सिरसा मनिहार में पशुपालन विभाग द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि कमल चौधरी चेयरमैन गन्ना समीति जनपद अमरोहा द्वारा किया गया। कमल चौधरी ने ग्राम में शिविर आयोजन के लिए पशुपालन विभाग को बधाई थी तथा उपस्थित पशुपालकों को विभागीय योजनाओं एवं सुविधाओं का पूर्ण लाभ उठाने को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने अवगत कराया कि सरकार पशुपालकों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध है एवं इस दिशा में विभिन्न योजनाएं चला रही है। विशिष्ट अतिथि डा० आभा दत्त मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अमरोहा ने पशुपालकों को नन्द बाबा दुग्ध मिशन, पशुधन बीमा, 1962 पशु एम्बुलेन्स सेवा एवं पशुओं में टीकाकरण टीकाकरण के के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। डा० निलय कुमार, उप मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी अमरोहा ने पशुओं में बांझपन, पशुपोषण एवं पशुप्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी। शिविर के आयोजक विजेन्द्र सिंह, पशुचिकित्सा अधिकारी, बुढनपुर ने पशुओं में संक्रामक रोग के कारण एवं बचाव के उपायों कुक्कुट पालन एवं बकरी पालन योजना के विषय में उपस्थित पशुपालकों को जानकारी दी। शिविर में 367 पशुओं की पशुचिकित्सा, बांझपन चिकित्सा, शल्य चिकित्मा कृमिनाशक दवापान किया गया। शिविर के सफल आयोजन में ग्राम प्रधान हरकेश, पशुधन प्रसार अधिकारी लोकेन्द्र सिंह, अंकित, ब्रिजेश, रवि, मुन्तजिर, सद्दाम आदि का विशेष सहयोग रहा।

मिशन शक्ति के अंतर्गत पुलिस ने साइबर क्राइम के बारे में किया जागरूक

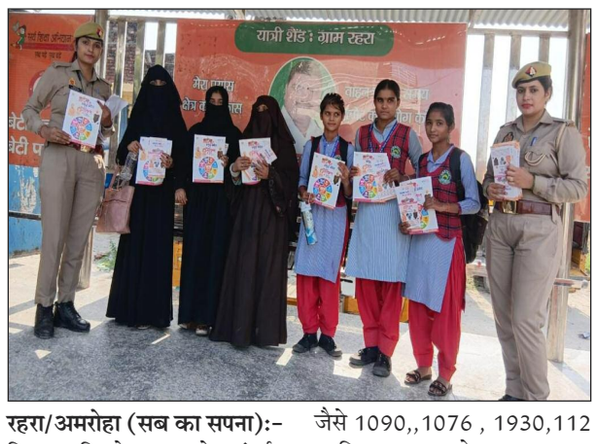

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेस 5.0 के अंतर्गत थाना रहरा क्षेत्र में मिशन शक्ति सुरक्षा दल डोली शर्मा, प्रिया पंवार रूबी जैन द्वारा महिलाओं को साईबर क्राइम व विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090,,1076 , 1930,112 आदि तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाएं जैसे वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभिउदय योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, साइबर अपराध 1930 एवं पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 आदि से अवगत कराया गया तथा अधिक से अधिक लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालयों में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अपर सचिव, भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के दिए गए निदेर्शों के क्रम में जनपद अमरोहा के समस्त परिषदीय विद्यालयों,मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त विद्यालयों में आज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया । मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर जागरूकता वृद्धि हेतु विद्यालयों द्वारा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं समुदाय के बीच गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर विद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित वीडियो का संचालन गया। वीडियो में छात्र-छात्राओं को स्वस्थ रहने , स्वच्छ परिसर में रहने, खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने, सामूहिक गतिविधियां आयोजित करने, सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करने, गुड टच बेड टच के विषय में बताने का प्रयास किया गया, इस कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को भी बुलाया गया तथा उनको बताया गया कि बच्चे पर पढ़ाई यह अन्य किसी प्रकार का कोई दबाव डालकर कार्य न कराया जाए इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है , बच्चा स्वेच्छा से जो भी कार्य करना चाहता है उसे कार्य को करने के लिए प्रेरित किया जाए , शिक्षा एवं स्वास्थ्य, खेलकूद बच्चों की रुचि के अनुसार उसे वह कार्य कराया जाए। जनपद के विद्यालय होंगे आज स्लोगन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता , चलचित्र आदि का प्रसारण उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्थित स्मार्ट क्लास के द्वारा किया गया है जिसमें बच्चों ने बहुत ही रुचि के साथ लघु नाटिकाओं को देखा ।

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसौदिया का भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिशौदिया का भाजपा कार्यकताओं,पदाधिकारी एवं नेताओं ने गजरौला पहुंचने पर फूल मालाएं पहनाकर एवं बुके देकर जोरदार स्वागत किया। बता दें कि शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिशौदिया दिल्ली से संभल अचौड़ा कंबो कलकी धाम अपने काफिले के साथ जा रहे थे। जिसकी सूचना भाजपा कार्यकताओं और नेताओं को हुई तो वह उनके स्वागत के लिए ब्रजघाट पहुंच गए और उनके आने का इंतजार करने लगे। जैसे ही मंत्री जी का काफिला ब्रजघाट पहुंचा तो भाजपा कार्यकताओं एवं नेताओं ने उनको फूल मालाएं पहनाकर एवं बुके देकर सम्मानित कर उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, हिमांशु त्यागी, विपिन सागर, कैलाश गुर्जर, राजीव शुक्ला, मनोज चौहान, प्रमोद कुमार सहित सैकड़ो की संख्या में वहां पर भाजपा कार्यकर्ता एवं नेता लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत हुआ स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति फेस-5.0 जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जोया में व्यक्तिगत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कु. ललिता रानी, जेंडर स्पेशलिस्ट द्वारा महिलाओं से कहा गया कि शरीर को साफ रखकर कीटाणुओं और बीमारियों से बचाना, जिसमें नियमित रूप से नहाना, हाथ-मुँह धोना, दाँत ब्रश करना, नाखून काटना और साफ कपड़े पहनना शामिल है। हर व्यक्ति को शौचालय में जाने के बाद व खाना बनाने से पहले और खाना बनाने से पहले हाथ को अच्छे से साफ कर लेना चाहिए जिससे किसी प्रकार की बीमारी न हो सके। यह न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बनाए रखता है बल्कि संक्रमण को फैलने से रोककर दूसरों को भी सुरक्षित रखता। स्वस्थ वातावरण अपने आस-पास के लोगों को भी बीमारियों से बचाकर एक स्वस्थ वातावरण बनाता है। व्यक्तिगत स्वच्छता उन आदतों को संदर्भित करती है जो संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने और व्यक्तियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करती हैं। यह न केवल शरीर को स्वच्छ रखता है। इसके अलावा हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की टीम द्वारा महिला कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098 ,181 और एंबुलेंस सेवा 102 और 108 के बारे में बताया गया। इसके अलावा वन स्टाप सेंटर की टीम द्वारा वन स्टॉप सेंटर की जानकारी और चाइल्ड लाइन द्वारा बाल श्रम तथा बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा बच्चों के कानूनी अधिकार और बाल विवाह व बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया गया। इस अवसर पर सखी वन स्टॉप सेन्टर की सेन्टर मैनेजर ममता दुबे, हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (HEW) के कार्मिक कु0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ, अनुराधा भारती ,नर्स ,नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत वंचित वर्गों के छात्र छात्राएं करे ऑनलाइन आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में हैडलाइन- वित्तीय वर्ष 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12 को छोड़कर) वंचित समस्त वर्गों के छात्रों के ऑनलाइन आवेदन 27 अक्टूबर 2025, से 31 अक्टूबर, 2025 तक किये जायेंगे। निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र सं0 1429/ पि0व0क0/ 2025-26 लखनऊ दिनांक 08 अक्टूबर 2025 एवं मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के शासनादेश सं0 160/ 2025/ 2690/26-03-2025-1961934, दिनांक 06 अक्टूबर 2025 के द्वारा वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2024-25 में दशमोत्तर (कक्षा 11-12 को छोड़कर) छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत वंचित समस्त वर्गों के छात्रों के लिए पोर्टल खोला जाने के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु समय-सारिणी जारी की गयी है। उक्त समय सारिणी के अनुसार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत मास्टर डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन, लॉक करने एवं छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति द्वारा ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु तिथियां निर्धारित की गयी हैं। शैक्षणिक संस्थानों द्वारा छात्रवृत्ति मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण कराना- 10 अक्टूबर, 2025 से 14 अक्टूबर, 2025 तक। मास्टर डाटा में जनपद की पूर्व से सम्मिलित संस्थाओं द्वारा पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, पाठ्यक्रमवार अनुमोदित सीटों की संख्या, निर्धारित शुल्क, पाठयक्रमवार ऐफिलिएटिंग एजेन्सी /विश्वद्यिालय के नाम आदि सूचनाओं को अंकित/ अपडेट कर नोडल अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापित कर लॉक किया जाना। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेन्सी द्वारा फीस आदि का सत्यापन-18 अक्टूबर, 2025 तक। सम्बन्धित विश्वविद्यालय

/एफिलिएटिंग एजेन्सी/ नोडल अधिकारी द्वारा शिक्षण संस्थान की मान्यता, पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम का प्रकार, सीटों की संख्या एवं फीस आदि को ऑनलाइन पोर्टल पर अंकित कर उसकी प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से लॉक किया जाना। छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया-वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत (डिग्री) कक्षाओं (11-12 को छोड़कर) में वंचित छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने हेतु 27 अक्टूबर 2025, से 31 अक्टूबर, 2025 तक निर्धारित की गयी है। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत (डिग्री) कक्षाओं (11-12 को छोड़कर) में वंचित छात्र/छात्राओं द्वारा आवेदन पत्र का फाइनल प्रिन्ट निकालने एवं ऑनलाईन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्था में जमा किया जाने हेतु 01 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है। शिक्षण संस्थानों द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित/निरस्त किया जाना- 02 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है। संस्था में अध्ययनरत तथा छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन करने वाले छात्र/छात्राओं द्वारा आवेदन में अंकित समस्त तथ्यों का अभिलेखीय सत्यापन करते हुए, निर्धारित उपस्थिति मानक पूर्ण करने वाले पात्र छात्र/छात्राओं का आवेदन सत्यापित कर अग्रसारित किया जाना। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेन्सी द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन व अपात्र छात्र, पाठयक्रम व संस्था को ब्लॉक करने हेतु 03 नवम्बर, 2025 से 06 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है। सम्बन्धित विश्वविद्यालय एवं ऐफिलिएटिंग एजेन्सी द्वारा संस्था में अध्ययनरत वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या की प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से आंनलाइन स्तयापित करना, अपात्र छात्रों, पाठयक्रमों, संस्थाओं को ब्लाक करना, संदेहास्पद/त्रुटिपूर्ण आवेदनों को छात्रो के स्तर पर सही करते हुऐ पुनः संस्था स्तर से अग्रसारित किया जाना- छात्र/छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गयी त्रुटियों को ठीक करने हेत 08 नवम्बर, 2025 से 11 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है।

सही आवेदन पत्रों को जमा किया जाना एवं शिक्षण संस्था द्वारा पुनः सत्यापित एवं अग्रसारित किया जाना 12 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित की गयी है। अतः जनपद की समस्त दशमोत्तर (डिग्री) शिक्षण संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि तदानुसार निर्धारित समयान्तर्गत शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत समस्त वर्गों के पात्र छात्र/छात्राओं से छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाईन आवेदन कराते हुए अपने स्तर की समस्त कार्यवाही भी निर्धारित समयान्तर्गत पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

यूपी-112 पुलिस का मानवीय चेहरा, तीन साल की मासूम को परिजनों से मिलाया

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में यूपी-112 पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से एक 3 वर्षीय मासूम बच्ची को उसके परिजनों से मिलाने में सफलता प्राप्त हुई। घटना ग्राम जमालपुर डाण्डा, थाना बबराला, जनपद सम्भल की है, जहां एक 3 साल की बच्ची रास्ता भटककर रो रही थी। शुभम, पुत्र कुंवरपाल, निवासी ग्राम जमालपुर डाण्डा ने यूपी-112 को सूचना दी, जिसमें उन्होंने बताया कि बच्ची रास्ता भूल गई है और पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही यूपी-112 ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 9 किलोमीटर की दूरी मात्र 11 मिनट में तय कर घटनास्थल पर पहुंची। वहां बच्ची जोर-जोर से रो रही थी और अपने घर का पता नहीं बता पा रही थी। पीआरवी कर्मियों ने तुरंत थाना बबराला और कंट्रोल रूम, जनपद सम्भल को सूचित किया। कंट्रोल रूम ने जनपद के सभी थानों को बच्ची के बारे में जानकारी प्रसारित की। इसके साथ ही, पीआरवी कर्मियों ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए बच्ची को साथ लेकर आसपास के क्षेत्र में उसके परिजनों की तलाश शुरू की। काफी प्रयासों के बाद बच्ची के पिता भगवानस्वरूप, पुत्र रामफल, निवासी ग्राम शहजानाबाद डाण्डा, थाना बबराला को खोज निकाला गया। पिता ने बताया कि बच्ची का नाम नैनी है, जो गांव में भंडारा खाने गई थी और खेलते-खेलते अन्य बच्चों के साथ रास्ता भटक गई थी। पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित उसके पिता को सौंप दिया। इस कार्यवाही की स्थानीय लोगों और कॉलर ने भूरि-भूरि प्रशंसा की, वहीं बच्ची के परिजनों ने यूपी-112 पुलिस को कोटि-कोटि धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। यह त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) व नोडल अधिकारी यूपी-112 अनुकृति शर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन बहजोई सन्तोष कुमार के कुशल निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक यूपी-112 रजनीश कुमार के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। यूपी-112 की इस मानवीय कार्रवाई ने जनता के बीच पुलिस की सकारात्मक छवि को और मजबूत किया।

संभल कल्कि महोत्सव में नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने की शिरकत

25 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में आयोजित संभल कल्कि महोत्सव ,विकासोत्सव के पांचवें दिन नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने 25 करोड़ रुपये की लागत वाली नगर विकास और ऊर्जा विभाग की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया, जिनमें बिजली, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और स्वच्छता से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। मंत्री ने जीरो वेस्ट आधारित महोत्सव के लोगो का अनावरण किया और स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने 20 सफाई मित्रों को सम्मानित किया और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाभियां सौंपी। साथ ही, विद्युत चोरी रोकने और 86 हेक्टेयर भूमि को कब्जे से मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प @2047 के लिए सुझाव देने की अपील की, जिसमें संभल जिला प्रदेश में अव्वल है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री, स्थानीय अधिकारी, सफाई कर्मी, और नागरिक उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा, डबल इंजन सरकार का लक्ष्य हर नागरिक तक विकास और सुविधाएं पहुंचाना है।

गायत्री कॉलोनी में सनसनीखेज चोरी, अज्ञात चोरों ने उड़ाए जेवर और बर्तन

पीड़ित ने दी पुलिस को तहरीर पुलिस जांच में जुटी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के चितौरा रोड स्थित गायत्री कॉलोनी (धोबी मोहल्ला) में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने हाथ साफ कर एक घर में सनसनी फैला दी। पीड़िता वहीदन पत्नी सिद्दारी ने थाना बहजोई पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपकर बताया कि चोरों ने उनके घर में घुसकर संदूक में रखे सोने-चांदी के जेवर और पीतल के बर्तन चोरी कर लिए। वहीदन ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ दूसरे कमरे में सो रही थीं। इसी दौरान रात के अंधेरे में अज्ञात चोर उनके घर में घुस आए और संदूक में रखे कीमती जेवरात व बर्तनों को चुराकर फरार हो गए। शुक्रवार सुबह जब वह मुख्य घर में पहुंचीं तो दरबाजा खुला हुआ पाया वह देखकर दंग रह गई और सामान बिखरा पड़ा था। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। सूचना पर तत्काल हरकत में आई बहजोई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से और संदिग्धों की तलाश में छानबीन कर रही है। इस घटना ने गायत्री कॉलोनी और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। क्षेत्र में हाल के दिनों में चोरी की बढ़ती घटनाओं ने लोगों में असुरक्षा की भावना को बढ़ा दिया है। पुलिस प्रशासन से अपील की जा रही है कि वह इस तरह की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाए। फिलहाल, पुलिस की जांच जारी है और लोग इस मामले में जल्द कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं।

मुलायम सिंह यादव की तृतीय पुण्यतिथि पर सपा की सभा, जावेद अली खान ने दी श्रद्धांजलि

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी, जनपद संभल ने पूर्व रक्षा मंत्री व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की तृतीय पुण्यतिथि ज्ञान वती बैकट हाल, चंदौसी में मनाई। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जावेद अली खान ने अपने संबोधन में कहा कि नेताजी ने रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री के रूप में दलित, पिछड़े, किसान, व्यापारी, नौजवान, छात्र और अल्पसंख्यकों के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने हमेशा शोषित-वंचितों के हक की लड़ाई लड़ी। आज समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में उनके दिखाए रास्ते पर चल रही है और देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। पीडीए गठबंधन के जरिए पार्टी गरीब, मजदूर, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं के हितों के लिए काम कर रही है। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कार्यकर्ताओं से नेताजी के आदर्शों को अपनाकर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता मास्टर आकिल साहब ने की और संचालन कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शोभित काका, बलवंत सिंह, उमेश यादव (विधानसभा अध्यक्ष), अशोक यादव, विमलेश कुमारी, रेवा राम, ओमप्रकाश पजापति, जयवीर यादव, विशाल कुमार, संजय मदान, इफतकार, तेजेंद्र सिंह, गुलशन राय, अशोक राणा, सद्दाम कुरेशी, चेतन गुप्ता, विजय यादव, शेखर शर्मा, रजत यादव, बब्बन मौर्य, दीपक राज, लव यादव, रवि शंखधार, सुभाष यादव, शारदा यादव, सुमित राघव, विवेक शर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

25 हजार का इनामी बदमाश अर्जुन पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में थाना बहजोई पुलिस ने पंवासा से आटा रोड पर सिहोरी की पुलिया के पास मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान एक मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश अर्जुन पुत्र जगवीर सिंह, निवासी मौहल्ला जाटोवाला चौराहा चौधरी सराय, थाना कोतवाली, सम्भल को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर), एक जिंदा कारतूस, एक खोखा, एक नाल में फंसा कारतूस, एक जोड़ी पीली धातु के कुंडल, 200 रुपये नकद और एक हीरो मोटरसाइकिल बरामद की गई। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। इस फायरिंग में अर्जुन के पैर में गोली लगी, वहीं पुलिसकर्मी सोनपाल भी घायल हो गए। दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी बहजोई भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी बहजोई और आसपास के थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस के अनुसार, अर्जुन 1 अक्टूबर को पंवासा में अपने तीन साथियों के साथ पिंकी पत्नी लखनपाल के खेत पर काम करने के दौरान उनके कान से पीली धातु के कुंडल लूटने के मामले में वांछित था। इस मामले में थाना बहजोई में मुकदमा दर्ज किया गया था। अभियुक्त की गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना बहजोई में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सम्भल ने अर्जुन की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

करवाचौथ और जुम्मे की नमाज के मद्देनजर पुलिस ने की सघन पेट्रोलिंग

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह के नेतृत्व में संभल पुलिस ने कस्बा संभल में कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए व्यापक कदम उठाए। करवाचौथ त्योहार और जुम्मे की नमाज के दृष्टिगत थाना प्रभारी संभल व थाना प्रभारी रायसत्ती के साथ पुलिस बल ने मुख्य मार्गों और बाजारों में बाइक पेट्रोलिंग की। इस दौरान पुलिस ने स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया। जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल भ्रमणशील रहकर सतर्कता बरत रहा है, ताकि त्योहार और धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस के इस सक्रिय रवैये से जनमानस में विश्वास और सुरक्षा की भावना जागृत हुई है।

मिशन शक्ति 5.0: अमरोहा पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की पैम्पलेट्स के माध्यम से दी गई जानकारी

अमरोहा(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत अमरोहा पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सशक्तीकरण और जागरूकता के लिए व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन और नोडल अधिकारी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले के सभी थानों की मिशन शक्ति टीमों ने गांवों, कस्बों, बाजारों और बस स्टैंडों पर जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को बाल विवाह, महिला शिक्षा, लैंगिक समानता, आत्मनिर्भरता, गुड टच-बैड टच, बाल यौन शोषण, पॉक्सो एक्ट, बाल मजदूरी, चाइल्ड ट्रैफिकिंग और साइबर अपराध जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी पैम्पलेट्स के माध्यम से दी गई। थानों पर हुए जागरूकता कार्यक्रम महिला थाना महिला थाना प्रभारी मिनाक्षी गुप्ता के नेतृत्व में मोहल्ला प्रताप नगर के बाल प्रतीभा विद्यालय में चौपाल आयोजित की गई, जहां महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। थाना अमरोहा देहात उपनिरीक्षक महिमा चौधरी और उनकी टीम ने ग्राम पिलक सराय में पैम्पलेट वितरित कर जागरूकता फैलाई। थाना गजरौला नारायण स्मारकर इंटर कॉलेज में शिक्षिकाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। थाना रहरा प्रभारी अतवीर सिंह और उनकी टीम ने कस्बा रहरा में जागरूकता अभियान चलाया और बेवजह चौराहों पर खड़े लड़कों को चेतावनी दी। थाना रजाबपुर उपनिरीक्षक अंजना चौधरी के नेतृत्व में कस्बा रजबपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने पर जोर मिशन शक्ति टीमों ने बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाया और असामान्य परिस्थितियों में माता-पिता, शिक्षकों या पुलिस से बेझिझक संपर्क करने की सलाह दी। बच्चों को यह विश्वास दिलाया गया कि वे सुरक्षित वातावरण में अपनी बात खुलकर रखें। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा, मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को न केवल सुरक्षित रखना है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी है। हमारा प्रयास है कि समाज में जागरूकता बढ़े और हर महिला व बालिका अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग रहे।" यह अभियान महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास जगाने और सुरक्षित समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

योगी बोले: रवि किशन विदेशी घड़ी पहनते हैं

नाम सुन सामने वाले का चेहरा चमक उठता, 2017 के पहले बाहर कर दिया जाता था

संवाददाता

गोरखपुर। सीएम योगी ने स्वदेशी मेले में रविकिशन की विदेशी घड़ी को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी बोलने से कुछ नहीं होगा। इसे अपनाना भी होगा। इस बीच शुक्रवार को मेले का शुभारंभ करने के बाद सीएम ने रविकिशन को बुलाकर अपने बगल की कुर्सी पर बैठाया। सीएम ने मंच से युवा उद्यमी रमेश यादव का जिक्र करते हुए कहा कि उनके डायलॉग रविकिशन से भी मजबूत थे। क्योंकि, वह जमीन पर काम कर रहे। उन्होंने यूपी ट्रेड शो के बैनर तले लगे मेले में स्टॉलों को भी देखा। साथ ही दुकानदारों से भी बातचीत की। वहीं, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने भी रवि किशन की चुटकी ली। कहा- आजकल इनका समय अच्छा चल रहा। इनकी दुकान नाच रही है। योगी जी इन्होंने चाय-पानी की व्यवस्था बहुत अच्छी की है। लेकिन, हम जैसे जन प्रतिनिधि को बुलाकर चाय नहीं पिलाई। सांसद रवि किशन ने कहा- पिछली सरकारों ने हमें और भिखारी बना दिया। यही सोचते थे कि गरीब है, मरेगा। अब हिम्मत है किसी की। लंगड़ा ऑपरेशन चल रहा। अपराधी एक-एक पैर पर नाच कर चल रहे हैं। ज्यादा करेंगे तो दोनों पर नाचेंगे। दरअसल, ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण का सफल आयोजन किया गया था। सीएम ने सभी जिलों में त्योहारों से पहले स्वदेशी मेला आयोजित करने के निर्देश दिए थे। गोरखपुर के डीएम दीपक मीणा ने बताया- मेले की टाइमिंग सुबह साढ़े दस बजे से रात 8 बजे तक रहेगी। इसका आयोजन 'वोकल फार लोकल' की भावना को सशक्त करने, स्थानीय उत्पादों उद्यमियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। मेले में करीब 125 स्टॉल लगाए जाएंगे। सीएम योगी ने स्वदेशी मेले के बाद पॉम पैराडाइज के ईडब्ल्यूएस और एलआईजी फ्लैटों के 160 लाभार्थियों को चाबी सौंपी। उन्होंने कहा- सभी वर्गों के लिए आवास होना चाहिए। देश में 4 करोड़ लोगों को फ्री में आवास दिया गया। यूपी में 60 लाख से अधिक गरीबों को फ्री में आवास दे चुके हैं। जब नीयत अच्छी होती है तो कार्य भी अच्छे होते हैं। जब जनता अच्छी सरकार चुनती है तो चुने गए लोग अच्छा कार्य करते हैं। उससे विकास भी होता है और गरीबों का कल्याण भी होता है। योगी ने कहा- किसी ने रविकिशन से आवास के लिए सिफारिश कराई क्या? अगर कराई होती तो आवास नहीं मिलता। यहां का लोकेशन काफी अच्छा है। अच्छी सोसाइटी है। मिलकर रहिए। अपनी हाउसिंग कमेटी का गठन करिए। उसके माध्यम से थोड़ा-थोड़ा पैसा एकत्र कर मेंटिनेंस का काम हो जाएगा। आप ही प्रयास करेंगे कि जब तक आप यहां रहें तब तक रविकिशन भी यहां रहें। हर व्यक्ति अभिनय नहीं कर सकता। कालीबाड़ी के बाबा से कहेंगे कि अभिनय करिए तो कर पाएंगे क्या, नहीं कर पाएंगे। वह पूजा करते हैं। आपके पास कलाकार सांसद नहीं होता तो फ्री में गाना कैसे सुनाते। अगर दूसरे जिले में ऐसा करते तो लाखों रुपए ले लेते। सीएम ने कहा- लखनऊ में एक आवासीय सुविधा देने जा रहे हैं। माफिया ने जमीन कब्जा करके हवेली बनाई थी।

हवेली हटाकर गरीबों के लिए आवास बना लिया। दीपावली से पहले उन गरीबों को दे रहे हैं जिनके पास आवास नहीं है। माफिया सरकारी जमीन पर कब्जा करके आवास बनाकर वहां से नेटवर्क चलाते थे। पिछले साल प्रयागराज में किया था। एक माफिया का कब्जा हटाकर। कोई सोच सकता था किसी माफिया की ओर से कब्जा की गई जमीन पर गरीबों का आवास बन जाए। रवि किशन ने कहा- 5 लाख व 10 लाख में फ्लैट मिल रहा है। यह संभव नहीं था। यह तभी संभव होता है जब प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के रूप में संत होते हैं। भोग नहीं लगता तो सुर नहीं लगता है। उनकी इस बात पर सीएम योगी हंस पड़े। किसी ने फीस की बात कही तो हमने कहा कि हमको महाराज जी दे सकते हैं और कोई नहीं। आप नहीं दे सकते हैं। सांसद रवि किशन ने कहा- मुख्यमंत्री दीपावली का उपहार लेकर आए हें। लोगों को ईडब्ल्यूएस व एलआईजी फ्लैटों की चाबी देंगे। मैं मिट्टी के घर से

संक्षिप्त डायरी

श्रम विभाग ने 20 मजदूरों का किया पंजीयन व नवीनीकरण

संवाददाता

सिसवा-महंथ कुशीनगर। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा कसया विकास खंड के ग्राम बटेसरा में चौपाल लगाकर 20 मजदूरों का श्रम विभाग में पंजीयन व नवीनीकरण किया गया। शुक्रवार को श्रम विभाग के कर्मचारी शशि शेखर मिश्र ने श्रमिकों को विभाग की संचालित योजनाओं के बारे में बताया। जिसमें मातृत्व शिशु बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, अटल आवासीय विद्यालय योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यागता सहायता योजना के बारे मे जानकारी दी गईं। बताया गया कि मजदूर अपने समीप के जनसेवा केन्द्र पर पहुंच कर जनसेवा केन्द्र के माध्यम से यूपीबीओसी डब्ल्यू के साइड पर श्रमिक पंजीयन कराएं जिसमे तथा पूर्व में पंजीकृत श्रमिकों को ससमय नवीनीकरण करा लें। 25 निर्माण श्रमिकों को जो पूर्व मे पंजीकृत थे मोबाइल नंबर बदला गया। इस दौरान ग्रामप्रधान मोहन लाल गुप्ता, नंदू गुप्ता, कुंजबिहारी निषाद, अंकुर शर्मा, छोटेलाल गोंड, मनीष, माधुरी, रमेश, ज्ञानचंद्र, सुदर्शन सहित दर्जनों श्रमिक मौजूद रहे।

क्रीड़ा प्रतियोगिता में अंत्याक्षरी, लोकगीत, सुलेख में पूर्व माध्यमिक विद्यालय अंध्या प्रथम

संवाददाता

कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के पूमावि करमैनी प्रेमवलिया में न्याय पंचायत स्तरीय बेसिक बाल क्रीडा प्रतियोगिता में 11 जूनियर और 28 प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी कसया अशोक कुमार यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि व्यक्तित्व के विकास में शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद की भी अहम भूमिका है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है विशिष्ट अतिथि मंकेश राय रहे।प्रतियोगिताओं में अंत्याक्षरी, लोकगीत, व सुलेख में पूर्व माध्यमिक विद्यालय अंध्या के बच्चों को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ ' प्राथमिक स्तर बालक कबड्डी व खो खो में फुलवा पट्टी प्रथम, प्राथमिक स्तर बालिका कबड्डी व खो खो में प्राथमिक विद्यालय अंध्या प्रथम जबकि योग में प्राथमिक विद्यालय प्रेमवलिया को प्रथम स्थान मिला। लोक नृत्य फरुवाही में प्राथमिक विद्यालय मदनपुर प्रथम आया।कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी व आभार मनोज कुमार सिंह ने व्यक्त किया गया ' विजयी प्रतिभागियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अरुण कुमार वर्मा, ध्रुव नारायण सिंह, सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी, राज किशोर सिंह, अशोक कुमार दुबे, वकील सिंह, नागेंद्र त्रिपाठी, राम अवतार मिश्रा, मनोज राय, वैभव पांडेय, पुष्कर शर्मा, दुर्गेश सिंह, मनजीत पाठक, बृज नारायणगौड़, राम केवल प्रसाद, रामलाल, अंजू दीक्षित, रंजना मिश्रा, संगीता राय, मोना सिंह, दीपमाला सिंह, मिनी जायसवाल, सविता शर्मा, सपना शर्मा, रजनी मिश्रा, सुनीता सिंह, अनामिका शाही उपस्थित रहीं।

निर्भीक और ईमानदार छबि के पत्रकार थे अवधेश मल्ल: अजय प्रताप

संवाददाता

कुशीनगर। वरिष्ठ पत्रकार नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के देवगांव निवासी 67 वर्षीय अवधेश कुमार मल्ल के निधन पर पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया है। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि मल्ल जी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में निर्भीक होकर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जनता और प्रशासनिक अमला के बीच सेतु का काम किया।कठिन परिस्थितियों में भी अपनी लेखनी की धार को कुंद नहीं होने दिया, श्री सिंह ने कहा कि जनपद, मित्र पत्रकार अवधेश मल्ल को एक निष्पक्ष पत्रकार के रूप में याद रखेगा । संगठन के जिलाध्यक्ष कुशीनगर हृदयानन्द शर्मा ने कहा कि श्री मल्ल जी का जाना पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी मीडिया जगत को हमेशा खेलेगी। निधन पर एबीपीएसस के प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय, प्रदेश संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ आरके भट्ट, राज सिंह, विनोद तिवारी, डी.के. पाण्डेय, अजय कुमार मिश्रा, कामख्या नारायण मिश्रा, असफाक अंसारी, बृज बिहारी त्रिपाठी, विजय कुमार राव, सतीश कुमार पांडेय, विजय कुमार यादव, सुधाकर उपाध्याय, मनीष कुमार यादव, पवन कुमार शर्मा, दिनेश कुमार ओझा, आदित्य शाही, ज्ञानेश्वर बरनवाल, सौरभ मणि त्रिपाठी, सतीश कुमार सिंह, आदित्य दीक्षित, असलम अंसारी, आशुतोष श्रीवास्तव, मसरूर रिजवी, उमाशंकर तिवारी, गोविंद पटेल, मणिंद्र कुमार, सरफराज आलम, संदीप जायसवाल, मस्तराज शर्मा, उमर फारूक अंसारी, शीतल सिंह, जावेद आलम, श्रीजेश यादव, संदीप सिंह, मोहन वर्मा, सोनू चौधरी, एहतेशाम जाफर मिंटू लारी, रवि त्रिपाठी, राजेश मिश्रा, योगेश गोविंद राव, अनिल कुमार सिंह, मंतोष जायसवाल सहित प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया।

हासिमपुर में खड़ंजे पर बह रहा दूषित पानी

मलिहाबाद। के हासिमपुर गांव में लंबे समय से नालियों की सफाई न होने के कारण खड़ंजे पर दूषित पानी बह रहा है। इससे ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों, जिनमें अजित, पवन, राकेश और अजय शामिल हैं, ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ है। नालियां जाम होने से गंदा पानी सड़कों पर फैल गया है, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। जगह-जगह गंदा पानी जमा होने से बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा उत्पन्न हो गया है। बच्चों और बुजुर्गों को इस गंदगी के बीच से गुजरना पड़ता है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत प्रशासन से तत्काल नालियों की सफाई और जल निकासी की उचित व्यवस्था करने की मांग की है।

जापान श्रीलंका बुद्ध बिहार में कठिन चीवर दान कार्यक्रम संपन्न

बुद्ध ने दिया शांति, अहिंसा, करुणा के मार्ग पर चलने का उपदेश:भिक्षु श्रद्धालोक

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध स्थली स्थित जापान श्रीलंका बुद्ध बिहार परिसर में तथागत बुद्ध का पूजन अर्चन कर कठिन चीवर दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया और बौद्ध भिक्षुओं को बिहार के प्रमुख भंते अस्स जी महा थेरो ने पिंड पात्र में भोजन दान दिया। शरद पूर्णिमा पर जापान श्रीलंका बुद्ध बिहार परिसर में आयोजित कठिन चीवर दान के पूर्व श्रीलंका से आए प्रमुख भिक्षु श्रद्धालोक के अगुआई में भिक्षुओं ने मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर में पूजन कर चीवर चढ़ाया और विश्व कल्याण व शांति की कामना की। भिक्षु श्रद्धालोक ने कहा कि भगवान बुद्ध ने लोक कल्याण के लिए दो दशक तक वर्षा वास जंगलों में व्यतीत किया और भिक्षुओं को शांति, अहिंसा, करुणा के मार्ग पर चलने का उपदेश देते हुए पंचशील के पालन का निर्देश दिया। इस दौरान भंते नंदिका, भंते महेंद्र, भंते नन्द रतन,भंते समिट, भंते यशपाल, भंते कंचुक लामा, पी पविन, पी जुट, भंते विनय कीर्ति, भंते सन्नी, भंते शिलवासा, भंते शील प्रकाश के अलावा उपासक ओमप्रकाश कुशवाहा, लाल बिहारी, विवेक कुमार गोंड, आशीष बरुआ आदि उपासक उपस्थित रहे।

फाजिलनगर में पहुंची गायत्री ज्योति कलश रथ यात्रा

नगरवासियों को दिया वैचारिक क्रांति का संदेश..

संवाददाता

कुशीनगर। शांतिकुंज, हरिद्वार से निकली गायत्री ज्योति कलश रथ यात्रा गुरुवार को फाजिलनगर पहुंची। वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी एवं गुरुजी के आध्यात्मिक शताब्दी वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में निकाली गई यह यात्रा जनजागरण के उद्देश्य से नगर-नगर भ्रमण कर रही है।

यात्रा ने फाजिलनगर कस्बे में भ्रमण करते हुए जनमानस को नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नैतिक शिक्षा और वैचारिक क्रांति के लिए प्रेरित किया। यात्रा तुरपट्टी पहुंची, जहां

सूर्य मंदिर में पूजन-अर्चन के पश्चात समाजसेवी सुधीर शाही एवं देवपोखर में ग्राम प्रधान मुन्ना सिंह ने स्थानीय गायत्री परिजनों के साथ रथ का भव्य स्वागत किया। फाजिलनगर में गायत्री शक्तिपीठ पर यात्रा का पड़ाव हुआ, जहां से नगर भ्रमण प्रारंभ हुआ। इस रथ यात्रा की शुरूआत 8 जून को शांतिकुंज, हरिद्वार से तथा 13 जून को वाराणसी से वाराणसी जोन के 20 जनपदों के लिए की गई थी। अब तक यह यात्रा वाराणसी, जौनपुर, भदोही, मिजार्पुर, सोनभद्र, चंदौली, देवरिया होते हुए 3 अक्टूबर को कुशीनगर जनपद में प्रवेश कर चुकी है। यात्रा का नेतृत्व शांतिकुंज से आए टोली नायक धनंजय शास्त्री, अवधेश कुमार, जयप्रकाश पाल एवं मेवालाल कर रहे हैं। इनके साथ यात्रा में त्रिवेणी सिंह, पारस नाथ सिंह, डॉ. राम एकबाल कुशवाहा, शिवशंकर सिंह, आमोद उपाध्याय, नरेंद्र मिश्र, डॉ. हीरालाल श्रीवास्तव, नितिन बरनवाल, मुन्ना सिंह, रमेश चंद्र गुप्ता, परसन कुशवाहा, कन्हैया लाल स्वर्णकार, रामओपिन सिंह, राम ग्रहण सिंह सहित अनेक गायत्री परिजन एवं महिला शक्तियां जैसे द्रौपदी देवी, राजपति देवी, कंचन , अंजु, निर्मला, गीता, ऊषा सुभावती मौजूद रहीं।

लखनऊ में समय पर नहीं उठता हॉर्टिकल्चर वेस्ट

लखनऊ। में समय पर हॉर्टिकल्चर वेस्ट (बागवानी से निकलने वाला कूड़ा) समय पर नहीं उठता है। इसकी बानगी नगर आयुक्त ने खुद देखी। वह निरीक्षण करने निकले। उन्हें लगभग हर मोहल्ले में हॉर्टिकल्चर वेस्ट पड़ा मिला। लोगों ने भी नगर आयुक्त के सामने इस समस्या की शिकायत की। लोगों ने समय पर कूड़ा नहीं उठने और हॉर्टिकल्चर वेस्ट सड़क और पार्क में पड़े रहने की शिकायत की। नगर आयुक्त ने सफाई, कूड़ा उठान, नालियों की स्थिति और हार्टिकल्चर वेस्ट के निस्तारण का बारीकी से निरीक्षण किया। सड़क पर पड़ा मिला हॉर्टिकल्चर वेस्ट निरीक्षण की शुरूआत नगर आयुक्त ने सेक्टर एच स्थित पड़ाव से की। इसके बाद पांडेय टोला को जाने वाली सड़क पर कई स्थानों पर हार्टिकल्चर वेस्ट और कंस्ट्रक्शन और डिमोलिएशन वेस्ट का ढेर पाया गया। इस पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित नगर अभियंता और गार्डन सुपरिटेंडेंट को तत्काल कचरा हटाने के निर्देश दिए।

करवा चौथ पर सुहागिनों ने रखा व्रत, चंद्रमा को अर्घ्य देकर की पति की दीर्घायु की कामना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को कस्बा बहजोई में करवा चौथ का पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विवाहित महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु, स्वास्थ्य और सौभाग्य के लिए दिनभर निर्जला व्रत रखा। सुहागिनों ने परंपरागत रूप से सज-संवरकर पूजा-अर्चना की और चंद्रमा के उदय की प्रतीक्षा की। चंद्रमा के दर्शन के बाद महिलाओं ने छलनी के माध्यम से पहले अपने पति का चेहरा देखा और फिर चंद्रमा को अर्घ्य जल अर्पित किया। इसके

पश्चात व्रत खोलकर भोजन ग्रहण किया। कस्बा बहजोई में करवा चौथ की रौनक हर ओर दिखाई दी। महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ करवा चौथ की कहानियाँ साझा कीं और सामूहिक रूप से पूजा में भाग लिया। स्थानीय निवासी राधा देवी ने बताया, "यह पर्व हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह न केवल पति-पत्नी के प्रेम को मजबूत करता है, बल्कि परिवार में सुख-शांति की कामना भी करता है।" करवा चौथ का यह पर्व दीपावली से दस दिन पूर्व मनाया जाता है और यह सुहागिनों के लिए विशेष महत्व रखता है। कस्बे में मंदिरों और घरों में पूजा-पाठ के साथ उत्सव का माहौल रहा।

मायावती रिकॉर्ड भीड़ देख खुश, बोलीं: विरोधियों की नींद उड़ी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती लखनऊ की अपनी रैली से काफी खुश हैं। शुक्रवार को उन्होंने पर लिखा- कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर उमड़ी रिकॉर्ड भीड़ देखकर विरोधी पार्टियों की नींद उड़ गई है। मायावती ने कहा, लखनऊ में गुरुवार को जो जनसैलाब उमड़ा, वह बीएसपी की ताकत और बहुजन समाज की एकजुटता का प्रमाण है। अपने खून-पसीने की कमाई से दूर-दूर से आए युवाओं और महिलाओं के जोश ने बता दिया कि यूपी में अब बहनजी की पांचवीं बार सरकार बनाने का संकल्प जन-जन में घर कर चुका है।

मायावती ने 2027 विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकताओं को मंत्र दिया। सावधान रहने की सलाह दी। बसपा अध्यक्ष ने कहा- बहुजन समाज अब शोषित नहीं, शासक बनकर उभर रहा है। यह जनसैलाब अब रुकने वाला नहीं है। बसपा प्रमुख ने कहा, इतनी बड़ी भीड़ और जोश देखकर विपक्षी दलों के नेताओं के होश उड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने समर्थकों से अपील की कि वे विरोधियों की बेतुकी बयानबाजी पर ध्यान न दें। मायावती ने कहा, हमारा ध्यान अपने मिशन पर होना चाहिए, क्योंकि बाबा साहेब का सपना पूरा करने का समय अब करीब है। मायावती ने कहा, अब बीएसपी का हर कार्यकर्ता मिशन 2027 के लिए पूरी निष्ठा से जुट जाए। उन्होंने कहा- अब समय विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद जैसे हथकंडों से सावधान रहने का है। बहुजन समाज के लोग अब शोषित नहीं, शासक वर्ग बनकर उभर रहे हैं। बीएसपी अध्यक्ष ने बताया, लखनऊ में हुए इस महा-आयोजन में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों से लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा, पार्टी के सभी पदाधिकारियों, नेताओं और वरिष्ठ कार्यकताओं ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें पार्टी की ओर से दिल से धन्यवाद। मायावती ने उन सभी लोगों का भी आभार जताया, जिन्होंने अपने-अपने राज्यों और जिलों में कार्यक्रम आयोजित कर कांशीराम को श्रद्धांजलि दी और बीएसपी मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। मायावती ने कहा, बीएसपी का यह जनसैलाब अब रुकने वाला नहीं है। यह सामाजिक परिवर्तन की वह लहर है जो यूपी से उठकर पूरे देश में बहुजन समाज की सत्ता की नई कहानी लिखेगी। प्रदेश की राजधानी में 9 साल बाद बसपा ने शक्ति प्रदर्शन दिखाया। 9 अक्टूबर को बसपा प्रमुख मायावती ने कांशीराम के 19वें परिनिर्वाण दिवस पर हुई महारैली में जहां स्मारकों और पार्कों के बेहतर रख-रखाव पर ध्यान देने को लेकर तारीफ की, वहीं सपा को आड़े हाथों लिया था। मायावती ने कहा कि सपा शासन में पार्क और स्मारकों पर टिकटों की बिक्री से मिली राशि को दबा कर बैठे थे। हालांकि मायावती ने भाजपा की पहले की केंद्र सरकार के समय उन पर सीबीआई और आयकर की जांच को लेकर निशाना भी साधा, पर सबसे अधिक चर्चा सीएम योगी की तारीफ को लेकर की जा रही है। मायावती ने सबसे अधिक हमला सपा व कांग्रेस पर बोला। सपा को दोगला तक बताया था। मायावती के इस भाषण के बाद सबसे पहली प्रतिक्रिया सपा प्रमुख अखिलेश यादव की आई। उन्होंने इशारों में जवाब देते हुए अपने एक्स हैंडल पोस्ट में लिखा,- 'क्योंकि उनकी अंदरूनी साठगांठ है जारी, इसीलिए वो हैं जुल्म करने वालों के आभारी'। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बसपा की रैली को 'बीजेपी फंडेड' बताया। कहा, मायावती ने दलितों की आवाज बनने की बजाय दमनकारी सरकार की तारीफ की। यूपी में दलित अत्याचारों पर चुप्पी साधी। मुख्य न्यायाधीश (दलित) पर हमले की निंदा न करने पर उन्होंने हैरानी जताई। साथ में ये भी कहा कि कांशीराम के सपनों को राहुल गांधी पूरा करने में जुटे हैं। भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, यूपी सरकार में मंत्री असीम अरुण, संजय निषाद ने मायावती के योगी सरकार की तारीफ पर धन्यवाद देते हुए कहा, भाजपा सरकार में स्मारकों का रखरखाव और सुरक्षा बढ़ाने से अनुसूचित जातियों का स्वाभिमान मजबूत हुआ है। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ये कहते हुए मायावती को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की कि उन्होंने अपने भाषण में मुख्य न्यायाधीश पर हमले पर कुछ नहीं बोला। जबकि उम्मीद की जा रही थी कि वह दलितों के मुद्दे पर आवाज जरूरी उठाएंगी। बहुजन राजनीति के पुराने साथी रहे स्वामी प्रसाद मौर्य ने बसपा सुप्रीमो मायावती पर ही तीखा हमला बोलते हुए कहा- ह्लकांशीराम के मिशन को मायावती ने तिरस्कृत किया और भाजपा की चाटुकारिता कर बहुजन समाज का भरोसा तोड़ा है। मौर्य ने आरोप लगाया कि एऊऔर उइकके डर से मायावती भाजपा की तारीफें कर रही हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव में वह भाजपा का समर्थन करेंगी। उन्हें अपने ही भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा नहीं है तो बहुजन समाज उन (मायावती) पर विश्वास क्यों करे?

संक्षिप्त समाचार

चीनी राष्ट्रपति के सियासी दल में शामिल महिला से हुआ अमेरिकी राजनयिक को प्रेम, ट्रंप प्रशासन ने छीनी नौकरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मामला कुछ इस प्रकार से है कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने एक अमेरिकी राजनयिक को केवल इस वजह से नौकरी से निकाल दिया गया क्योंकि उसने एक चीनी महिला से प्रेम संबंध की बात छुपाई थी। बताया जा रहा है कि उस महिला के सीधे संबंध चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी से हैं। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राजनयिक को इस कारण से निकाला गया है। बता दें कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में एक नियम लागू किया था, जिसके तहत चीन में तैनात किसी भी अमेरिकी सरकारी कर्मचारी, उनके परिवार या सुरक्षा क्लियरेंस वाले कॉन्ट्रैक्टर्स को किसी भी चीनी नागरिक से प्रेम या यौन संबंध बनाने पर रोक लगा दी गई थी। मामले में विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि राजनयिक को इसलिए निकाला गया क्योंकि उसने चीनी महिला से अपने रिश्ते को छिपाया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस मामले की समीक्षा की और फिर इस मामले में कार्रवाई की गई है। पिगॉट ने आगे कहा कि विदेश मंत्री रुबियो के नेतृत्व में हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएंगे। हालांकि राजनयिक का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन वह और उसकी गर्लफ्रेंड एक गुप्त रूप से बनाए गए वीडियो में नजर आए थे जिसे मशहूर रूढ़िवादी पत्रकार जेम्स ओ 'कीफ ने ऑनलाइन पोस्ट किया था।

रेबेका ग्रिनस्पैन संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए नामित

सैन होज़े, एजेंसी। कोस्टा रिका ने अपने लंबे समय से सक्रिय कूटनीतिज्ञ और पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पैन को संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया है। ग्रिनस्पैन वर्तमान में जेनेवा स्थित यूएन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के महासचिव हैं और उन्हें यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान अनाज को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के संयुक्त राष्ट्र प्रयास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रॉड्रिगो चावेस ने वीडियो संदेश में कहा कि ग्रिनस्पैन का अनुभव और विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा क्षेत्रीय नेतृत्व में योगदान बहुपक्षवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उनका नामांकन आने वाले हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र में औपचारिक रूप से दर्ज किया जाएगा।

कांगो में इबोला के नए मामले नहीं मिले : डब्ल्यूएचओ

किंशासा, एजेंसी। दक्षिणी कांगो में फैले इबोला वायरस पर अब नियंत्रण के संकेत दिखाई दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि 1 अक्तूबर के बाद से कोई नया मामला सामने नहीं आया है। डब्ल्यूएचओके अनुसार, 5 अक्तूबर तक पिछले 10 दिनों में संक्रमण के कोई नए मामले दर्ज नहीं हुए, जिससे संकेत मिलता है कि प्रभावित इलाकों में संक्रमण की श्रृंखला अब टूट रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक कुल 64 मामले (53 की पुष्टि और 11 संदिग्ध) दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 43 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि बेहतर लॉजिस्टिक्स, हेलिकॉप्टर से मेडिकल सप्लाई, ग्राउंड डिलीवरी और तीन स्वास्थ्य केंद्रों के डी-कंटेमिनेशन जैसी कार्रवाइयों से संक्रमण पर काबू पाया जा सका है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है क्योंकि लगभग 2,000 संपर्कों पर नजर रखी जा रही है और एक भी छूटा हुआ मामला संक्रमण को फिर से फैला सकता है।

ह्यूस्टन में दो जगहों पर गोलीबारी, चार की मौत

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में बुधवार को हुई दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच से पता चलता है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पहली वारदात दोपहर लगभग 1 बजे शुगर लैंड उपनगर में हुई, जहां एक व्यक्ति ने अपनी कार से दूसरी गाड़ी पर गोली चलाई। घायल चालक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह रोड रेज (सड़क विवाद) का मामला था या नहीं। करीब आधे घंटे बाद ह्यूस्टन शहर के एक मैकेनिक वर्कशॉप में दूसरी गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस अधिकारी लेरी क्रॉसन के अनुसार, हमलावर ने एक मैकेनिक और एक गवाह को गोली मारी। गवाह उस समय घटना का वीडियो बना रहा था। जांच में दोनों घटनाओं में शामिल वाहन और हमलावर के विवरण समान थे। कुछ समय बाद पुलिस ने हमलावर को उसकी गाड़ी में मृत पाया।

ट्रंप की कोशिशों को लग सकता है झटका, नोबेल मिलने के आसार कम; खुद को भी नहीं है भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार जीतने की कोशिश में जुटे हुए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस साल ट्रंप की इच्छा पूरे होने के आसार कम हैं। खुद ट्रंप भी कह रहे हैं कि नोबेल कमेटी उनके बजाए किसी और को पुरस्कार देने की वजह खोज लेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान समेत 7 युद्ध रुकवाए हैं। एएफपी से बातचीत में स्वीडन के प्रोफेसर पीटर वालेनस्टीन ने कहा, नहीं, ट्रंप इस साल नहीं जीतेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन शायद अगले साल? तब तक गाजा संकट समेत उनकी कई पहलों पर स्थिति साफ हो चुकी होगी।

कौन जीत सकता है पुरस्कार : खबर है कि इस साल 338 लोग और संगठन नॉमिनेशन प्रक्रिया में हैं, लेकिन यह सूची गुप्त रखी जाती है। नॉमिनेट करने वालों में सांसद, सरकारी अधिकारी, पूर्व विजेता और कमेटी के सदस्य शामिल होते हैं। साल 2024 में यह पुरस्कार जापान के एटम बम पीड़ितों से जुड़े निहोन हिदान्यको को मिला था। साफ नहीं है कि 2025 की रेस में कौन-कौन है। माना जा रहा है कि सुडान के इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम, रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवेलनी की विधवा यूलिया नवलनाया और चुनावी गतिविधियों पर नजर रखने वाले ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशन्स एंड ह्यूमन राइट्स का नाम दौड़ में शामिल हो सकता है। इनके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनआरडब्ल्यूए के नाम पर मुहर लग सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस बार नोबेल कमेटी अपने चुनाव से सभी को चौंका सकती है। भारतीय समयानुसार शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजकर 30 मिनट पर पुरस्कार की घोषणा की जा सकती है।

तो इस बार कौन हो सकता है विजेता : जब ये बात लगभग-लगभग तय मानी जा रही है कि ट्रंप को इस बार नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने जा रहा है। तो ये सवाल भी लगातार सामने आ रहा है कि अगर ट्रंप नहीं तो कौन? ध्यान रहे कि नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को दोपहर 2:30 बजे (भारतीय समयानुसार) ओस्लो में की जाएगी। ऐसे में इस पुरस्कार के लिए इस बार 338 व्यक्ति और संस्थाओं को नामांकित किया गया है। हालांकि, नामों की आधिकारिक सूची 50 वर्षों तक गोपनीय रखी जाती है। 2024 में यह पुरस्कार जापान के निहोन हिदानक्यो को मिला था, जो परमाणु हमलों के जीवित बचे लोगों का संगठन है। दूसरी ओर इस बार विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार विजेता के नाम का चयन थोड़ा मुश्किल भी हो सकता है। कारण है कि इस साल की स्थिति बेहद गंभीर है, क्योंकि दुनिया भर में संघर्ष चरम पर हैं। इस्राइल और ईरान की सीधी भिड़ंत, गाजा में संघर्ष, भारत-पाकिस्तान के बीच ड्रोन और मिसाइल हमले, थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद जैसी घटनाओं ने माहौल तनावपूर्ण बना दिया है। 2024 में रिकॉर्ड संख्या में राज्य-स्तरीय युद्ध भी हुए थे, जैसा कि स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी के डेटा से पता चलता है।

इस साल 338 नामांकनों में कौन हैं प्रमुख दावेदार : 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए कई प्रभावशाली नाम चर्चा में हैं। सूडान की इमरजेंसी रिस्पॉन्स रूम्स, जो युद्ध प्रभावित इलाकों में लोगों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, एक मजबूत दावेदार मानी जा रही है। वहीं रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की विधवा यूलिया नवलनाया भी इस सूची में शामिल हैं, जो अपने पति की विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, ऑफिस फॉर डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूशंस एंड ह्यूमन राइट्स , जो चुनाव निगरानी और लोकतंत्र की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है, भी एक प्रमुख उम्मीदवार है। संयुक्त राष्ट्र की संस्थाएं भी हो सकती हैं पुरस्कार की हकदार वहां कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नोबेल समिति इस बार वैश्विक व्यवस्था के समर्थन में कोई संदेश देना चाहेगी, खासकर उन नेताओं के खिलाफ जो इसे चुनौती दे रहे हैं, जैसे डोनाल्ड ट्रंप। ऐसे में संभावित विजेताओं की सूची में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएनएचसीआर (शरणार्थी मामलों की एजेंसी), यूएनआरडब्ल्यूए (फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी) का भी नाम शामिल है।

हालांकि ठीक इसके इतर कुछ का मानना है कि वैश्विक न्याय या प्रेस स्वतंत्रता को लेकर काम करने वाली संस्थाओं को भी इस बार सम्मान मिल सकता है, जिसमें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट, इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस, कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स और रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स का नाम शामिल है।

अंतरिम सरकार और सहयोगियों के बीच सियासी खींचतान; एनसीपी ने सलाहकार की निष्ठा पर खड़े किये सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की मुहम्मद युनुस-नेतृत्व वाली अस्थायी सरकार और उसके प्रमुख सहयोगी, छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के बीच सियासी खींचतान बढ़ती जा रही है। एनसीपी ने आरोप लगाया कि सरकार के सलाहकार बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सुरक्षित निकास की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा मैं किसी भी तरह का निकास नहीं ढूंढ रही। मैं अपना शेष जीवन बांग्लादेश में बिताऊंगी। उन्होंने एनसीपी नेताओं से स्पष्ट जवाब की मांग की कि उन्होंने ऐसा आरोप क्यों लगाया। एनसीपी ने ही हसीना को सत्ता से हटाया था एनसीपी ने फरवरी में युनुस के आशीर्वाद से राजनीतिक रूप में अपनी पहचान बनाई। यह पार्टी छात्रों के विरोध आंदोलन ग्रुप की एक बड़ी शाखा है, जिसने पिछले साल की 'जुलाई क्रांति' में हिंसक सड़कों पर प्रदर्शन किया और 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाया। सुरक्षित निकास पर हंगामा बढ़ा युनुस ने अस्थायी सरकार में छात्रों के तीन प्रतिनिधियों को सलाहकार परिषद में शामिल किया। हालांकि, बाद में युनुस ने एनसीपी का नेतृत्व संभालने के लिए इस्तीफा दे

दिया, जबकि दो अन्य सदस्य सलाहकार बने रहे। एनसीपी के अनुसार, कई सलाहकार राजनीतिक दलों के साथ बातचीत कर अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। एनसीपी के समन्वयक सरजिस आलम ने कहा कुछ सलाहकार अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए सोच रहे हैं। सुरक्षित निकास का विकल्प केवल मृत्यु में है।

लोग उनका पीछा करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी इस बीच, बांग्लादेश की विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 29 अन्य के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। हालांकि, अस्थायी सरकार ने कहा कि वह सभी राजनीतिक दलों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखती है और एनसीपी नेताओं के आरोपों की व्याख्या उनकी जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में आगामी फरवरी में राष्ट्रीय चुनावों से पहले यह सियासी उठापटक देश में राजनीतिक अस्थिरता और तनाव की नई लकीर खींच रही है।

बेबी पाउडर से मौत, जॉनसन एंड जॉनसन को देना होगा 8,500 करोड़ का मुआवजा

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका में लॉस एंजिलिस की अदालत ने जॉनसन एंड जॉनसन को मेसोथेलियोमा कैंसर से मरने वाली एक महिला के परिवार को 8,500 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी को महिला की मौत के लिए उत्तरदायी ठहराते हुए यह जुर्माना लगाया। परिजनों ने दावा किया था कि महिला ने जिंदगी भर कंपनी के बेबी पाउडर इस्तेमाल किया। इसके चलते उन्हें कैंसर हुआ। जूरी ने फैसले में माना, जॉनसन एंड जॉनसन ही महिला मे मूर को हुए कैंसर के लिए जिम्मेदार है। यह एस्बेस्टस से जुड़ा है। जूरी ने मुआवजे के रूप में करीब 140 करोड़ रुपये और सजा के तौर पर 8,360 करोड़ रुपये परिवार को देने का आदेश दिया। मूर का 2021 में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। परिवार का आरोप था, कंपनी ने पाउडर में कैंसर के जोखिमों को स्पष्ट न कर धोखा दिया। परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा, हमें अदालत में पक्ष साबित करने में पांच साल लगे। मूर ने इस बेबी पाउडर के साथ शावर-टू-शॉवर का पाउडर भी करीब 80 साल तक उपयोग किया था। कंपनी ने 2012 में शावर-टू-शॉवर को वैलेंट फार्मा को 15 करोड़ डॉलर में बेच दिया था। जॉनसन एंड जॉनसन के वैश्विक कानूनी मामले संभालने वाले एरिक हास ने कहा कि हम इस गंभीर फैसले के खिलाफ तुरंत अपील करेंगे। यह फैसला ज्यादातर बेबी पाउडर मामलों से बिल्कुल विरोधाभासी है, जिनमें कंपनी ने जीत हासिल की है।

कंपनी पर हजारों मुकदमे 3 अरब डॉलर किए खर्च : कंपनी ने बेबी पाउडर में मौजूद एस्बेस्टस से मुकदमों से निपटने में 3 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं। फिर भी कंपनी पर 70,000 से ज्यादा ऐसे मुकदमे लंबित हैं, जिनमें आरोप है कि इसके कारण मेसोथेलियोमा व डिम्बग्रंथि के कैंसर हुए हैं।कंपनी ने इस पाउडर को 2023 में दुनियाभर के बाजारों से वापस ले लिया था। उसने इनसे निपटने के लिए दिवालियापन अदालतों का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन उसकी कोशिश तीन बार असफल हो गई है।

ड्रग माफियाओं पर बेरोकटोक कार्रवाई करते रहेंगे ट्रंप! राष्ट्रपति की शक्तियों पर निगरानी का प्रस्ताव खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में बुधवार को एक बड़ा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। रिपब्लिकन सांसदों ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए लाया गया था। यह प्रस्ताव ट्रंप को मादक पदार्थों के कार्टेल पर आगे की सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेने के लिए बाध्य करता। इस प्रस्ताव के पक्ष में 48 और विरोध में 51 वोट पड़े। वोटिंग में ज्यादातर रिपब्लिकन सांसदों ने विरोध किया। सिर्फ दो रिपब्लिकन ने समर्थन किया जबकि एक डेमोक्रेटिक सांसद ने विरोध में वोट डाला।

ट्रंप की युद्ध अधिकार की घोषणा : ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले जहाजों को निशाना बनाकर सैन्य हमले किए। व्हाइट हाउस का कहना है कि चार जहाज नष्ट किए गए, 21 लोगों की मौत हुई और अमेरिका में पहुंचने वाली बड़ी मात्रा में ड्रग्स को रोका गया। प्रशासन का दावा है कि ड्रग तस्कर सशस्त्र दुश्मन हैं और उन पर युद्ध की तरह कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन इस पर कांग्रेस में असहमति गहराती जा रही है।

क्या है वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन?

वॉर पावर्स रिजॉल्यूशन ऑफ 1973, एक ऐतिहासिक कानून है, जो वियतनाम युद्ध के बाद बनाया गया था। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति को बिना कांग्रेस की अनुमति के युद्ध शुरू करने से रोकना है। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को किसी भी सैन्य अभियान के लिए कांग्रेस से स्पष्ट मंजूरी लेनी होती है।

विपक्ष का तर्क- कांग्रेस की शक्ति छीनी जा रही है : डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि ट्रंप बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य हमले नहीं कर सकते। उनके अनुसार यह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों का उल्लंघन है। टिम केन और एडम शिफ ने इस प्रस्ताव को पेश किया था। उन्होंने कहा कि इस वोटिंग ने भले ही कानून पास न कराया हो, लेकिन यह एक मजबूत राजनीतिक संदेश गया है कि हर कोई राष्ट्रपति की असीमित शक्ति से सहमत नहीं। रैंड पॉल, जो रिपब्लिकन पार्टी से हैं लेकिन लंबे समय से युद्ध अधिकारों पर कांग्रेस की भूमिका को मजबूत करने के पक्षधर हैं, उन्होंने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस को कार्यपालिका को जज, ज्यूरी और जल्लाद बनने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। रिपब्लिकन का रुख- देश की सुरक्षा पहले दूसरी ओर, रिपब्लिकन नेताओं ने डेमोक्रेट्स पर आरोप लगाया कि वे राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। जिम रिस्क, जो सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के प्रमुख हैं, ने कहा कि ड्रग्स अमेरिकी नागरिकों को मारने का हथियार बन चुके हैं। उन्होंने कहा, जो जहाज नष्ट किए गए, उनमें जो जहरीला माल था वो अब समुद्र की गहराइयों में है। मार्को रूबियो ने रिपब्लिकन सीनेटरों को समझाने के लिए लंच मीटिंग में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि कई कार्टेल अब कैरेबियाई देशों के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर चुके हैं और वे सरकारों की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ये संगठन अमेरिकी सड़कों पर हिंसा और अपराध फैला रहे हैं। राष्ट्रपति का कर्तव्य है कि वह देश की रक्षा करे। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति को पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन ने एक गोपनीय ब्रीफिंग दी थी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए कई रक्षा समझौते, राजनाथ सिंह और रिचर्ड मार्ल्स रहे मौजूद

कैनबरा, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस की उपस्थिति में प्रमुख रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए है। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे के तहत बीते दिन सिडनी पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार हो रही मजबूत इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऑस्ट्रेलिया और भारत की रक्षा साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है - जो विश्वास, साझा हितों और शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है। ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्रियों की पहली वार्ता के लिए भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। समझौते पर ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री का बयान वहीं इस समझौते के बाद ऑस्ट्रेलियाई उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा, मुझे लगता है कि आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम जो गहरा विश्वास और रणनीतिक तालमेल देख रहे हैं, वह अब दोनों रक्षा बलों के बीच कहीं अधिक गहन परिचालन स्तर की सहभागिता में व्यक्त हो रहा है। हमारे परिचालन कमांडों के बीच स्टाफ वार्ता के संदर्भ में हमने जो समझौता किया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है... हम इसे लेकर बहुत उत्साहित हैं। कैनबरा में रक्षा और रणनीतिक सहयोग पर मंथन इसके अहम रक्षा समझौते के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने कार्यक्रमों के तहत ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा पहुंचे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षा मंत्री पीटर खलील और संयुक्त अभियान प्रमुख वाइस एडमिरल जस्टिन जोन्स ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से मिले राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा स्थित संसद भवन में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मुलाकात की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स तथा दोनों पक्षों के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के साथ कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया के संसद भवन में बैठक की। बाद में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज भी बैठक में शामिल हुए। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री से राजनाथ सिंह की मुलाकात वहीं कैनबरा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात और उनके साथ एक उच्च स्तरीय बैठक भी की है। इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक का भी दौरा किया।

गाजा में इस्राइली ठिकानों पर आतंकी हमला नाकाम, आईडीएफ की जवाबी कार्रवाई में कई दहशतगर्द ढेर

गाजा, एजेंसी। गाजा में आतंकवादियों ने बुधवार को इस्राइल डिफेंस फोर्स की सुरक्षा पोस्ट्स पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ ने कहा कि उन्होंने कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया और इस घटना में आईडीएफ के किसी भी सैनिक को कोई चोट नहीं आई। आईडीएफ ने अपने एक्स अकाउंट पर बताया कि गाजा शहर क्षेत्र में कई आतंकवादियों ने आईडीएफ पोस्ट पर हमला करने का प्रयास किया। आईडीएफ सैनिकों ने वायुसेना के सहयोग से कई आतंकवादियों को समाप्त कर दिया। अतिरिक्त आतंकवादियों की खोज जारी है। इस घटना में आईडीएफ सैनिक सुरक्षित हैं। इस सप्ताहांत हो सकती है ट्रंप की मध्य पूर्व यात्रा इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे इस सप्ताहांत मध्य पूर्व जा सकते हैं। उनका यह संभावित दौरा गाजा में बंदी-बदल समझौते और संघर्षविराम वार्ता के बीच हो सकता है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा शांति समझौता बहुत नजदीक है और मैं शनिवार को वहां जा सकता हूं। हमारी टीम बहुत अच्छी तरह से वार्ता कर रही है। ट्रंप ने कहा मध्य पूर्व के लिए शांति एक सुंदर विचार है और हम आशा करते हैं कि यह साकार होगा। हमारी टीम और विपक्ष की टीम दोनों ही उत्कृष्ट हैं। मुझे लगता है कि यह जल्द ही होगा। इस्राइल के विदेश मंत्री ने की बैठक की आलोचना इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियन सार ने शुक्रवार को पेरिस में होने वाली बैठक की कड़ी आलोचना की, जिसमें यूरोपीय, अरब और अन्य राजदूत गाजा के युद्धोपरांत संक्रमण और स्थायी संघर्षविराम के प्रयासों पर चर्चा करेंगे। सार ने इस पहल को अनावश्यक और हानिकारक बताया और कहा कि यह शार्म एल-शेख में चल रही वार्ता के संवेदनशील समय में इस्राइल की पीठ पीछे तैयार की गई। सार ने एक्स पर लिखा कि हम इसे राष्ट्रपति माक्रों का एक और प्रयास मानते हैं, जो अपने घरेलू मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस्राइल का उपयोग कर रहे हैं। इस घटना के बाद गाजा में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों पक्षों द्वारा कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद इलाके में संघर्ष की आशंका बनी हुई है।

हमास-इजराइल शांति समझौते के पहले चरण पर सहमत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए इजराइल और हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले शांति समझौते (पीस डील) के पहले चरण पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, जल्द ही सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा और इजराइल अपनी सेना को एक तय लाइन तक वापस बुलाएगा। यह मजबूत और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा पहले चरण के तहत गाजा में इजराइल के बंधक बनाए गए लोगों को सोमवार तक रिहा किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि वे सभी सोमवार को वापस आ जाएंगे। वहीं, इस हफ्ते के आखिर तक ट्रम्प मिस्र जा सकते हैं। समझौते के 72 घंटे के अंदर बंधकों की रिहाई होगी यह समझौता मिस्र में 8 अक्टूबर को हुई इनडायरेक्ट बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में गाजा से इजराइली सेना की वापसी और कैदियों की अदला-बदली शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समझौते के लागू होने के 72 घंटे के भीतर लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल सरकार के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को बताया कि इजराइल को उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई जल्द शुरू होगी। बंधकों की रिहाई में मृत लोगों के शव भी शामिल हैं। कतरी मध्यस्थों ने भी समझौते की पुष्टि की है। हालांकि, इसके आगे की जानकारी बाद में घोषित करने की बात कही। कैदियों की रिहाई के बदले इजराइल गाजा से अपनी सेना पीछे हटाएगा। हमास ने ट्रम्प और गारंटर देशों से अपील की है कि वे इजराइल से समझौते का पूरी तरह पालन करवाएं। इसपर ट्रम्प ने कहा कि सभी पक्षों के साथ एक जैसा व्यवहार

किया जाएगा। इसके साथ ही ट्रम्प ने कतर, मिस्र और तुर्किये को मध्यस्थता के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, यह अरब, इजराइल, अमेरिका और आसपास के सभी देशों के लिए एक महान दिन है। ट्रम्प ने 5 अक्टूबर को इजराइल की वापसी को दिखाते हुए एक मैप भी शेयर किया था। इसने उन्होंने पीली लाइन के जरिए बताया की इजराइली सेना पहले चरण में वहां तक पीछे हटेगी। बता दें कि इस संघर्षविराम के पहले चरण के तहत, हमास सात अक्तूबर 2023 के हमले के बाद बंदी बनाए गए 48 इस्राइली नागरिकों को रिहा करेगा। हालांकि, इनमें से केवल लगभग 20 लोगों के जीवित होने की उम्मीद है। इसके बदले में इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं, बच्चे और आजीवन कारावास की सजा पाए हुए कैदी शामिल होंगे। पहले के समझौतों के आधार पर, एक इस्राइली बंधक के बदले कम से कम 100 फिलिस्तीनी रिहा किए जाएंगे। इतना ही नहां समझौते के तहत जब तक दोनों पक्ष पूर्ण संघर्षविराम की शर्तों को नहीं मान लेते, तब तक सभी सैन्य गतिविधियां, जैसे हवाई और तोपों से गोलाबारी रोक दी जाएंगी और सेना अपनी जगह स्थिर रहेगी। व्हाइट हाउस के अनुसार, जब सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा, तब इस्राइल 250 आजीवन कारावास पाए हुए फलस्तीनी कैदियों और हमास हमले के बाद हिरासत में लिए गए 1,700 गाजावासियों को छोड़ेगा। इसके अलावा प्रत्येक मृत इस्राइली बंधक के शव के बदले इस्राइल 15 मृत गाजावासियों के शव लौटाएगा। ट्रंप की योजना के तहत, समझौते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधक, चाहे जीवित हों या मृत रिहा कर दिए जाएंगे। कतर के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस पहले चरण में गाजा में राहत सामग्री और जरूरी सहायता भी पहुंचाई जाएगी, जहां अब भुखमरी जैसे हालात हैं। वहीं इस संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे ऐतिहासित बताया। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि यह अरब, मुस्लिम देश, इस्राइल, आसपास के सभी देशों और अमेरिका के लिए महान दिन है। हम कतर, मिस्र और तुर्की के मध्यस्थों का धन्यवाद करते हैं। गौरतलब है कि गाजा में संघर्ष की शुरुआत दो साल पहले सात अक्तूबर 2023 को हमास का इस्राइल पर हमला करने के साथ हुई थी।

दूसरा टेस्ट : यशस्वी के शतक से भारत ने बनाये दो विकेट पर 318 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल के शानदार शतक से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 318 रन बना लिए थे। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय यशस्वी नाबाद 173 व कप्तान शुभमन गिल 20 रनों पर खेल रहे थे। आउट होने वाले बल्लेबाज साई सुदर्शन 87 और केएल राहुल 38 रन रहे। सुदर्शन केवल 13 रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। वह 165 गेंद पर 87 रन बनाकर आउट हुए। आज सुबह भारतीय कप्तान शुभमन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। मैच में भारतीय बल्लेबाज छाये रहे। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का सातवों शतक लगा दिया और अब वह दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे हैं। अब देखना हो कि वह दूसरे दिन दोहरा शतक लगा पाते हैं या नहीं। राहुल के आउट होने के बाद सुदर्शन के साथ मिलकर यशस्वी ने जबरदस्त बल्लेबाजी

कर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। सुदर्शन ने भी अच्छी बल्लेबाजी की पर वह जोमेल वारिकन की गेंद पर आउट हो गये। वारिकन ने ही इससे पहले राहुल को भी अपना शिकार बनाया था। सुदर्शन के आउट होने के बाद शुभमन और यशस्वी ने भारतीय टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। मेहमान टीम की ओर से जायडन सील्स ने भी अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ। शुरुआती घंटे में अच्छी गेंदबाजी करने के साथ ही वेस्टइंडीज़ ने अंतिम सत्र में भी आक्रामक गेंदबाजी कर विकेट लेने का प्रयास किया पर सफल नहीं हुई। आज युशस्वी और सुदर्शन के बीच दूसरे विकेट के लिए 193 रन की अच्छी साझेदारी निभाई। यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही अपने 3000 रन भी पूरे किये।

यशस्वी ने सातवां शतक लगाने के साथ ही बनाये कई रिकार्ड, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3000 रन पूरे किये

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस मैच में यशस्वी ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक लगाया। इसी के साथ ही वह एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद जैसे खिलाड़ियों के 24 साल से कम उम्र में सात शतक लगाने वाले चार खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। यशस्वी ने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल ने ये सातवां टेस्ट शतक 24 साल से कम उम्र में बनया है और ऐसे में अब वह मियांदाद, ग्रीम स्मिथ,कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है। वहीं इस मैच में यशस्वी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ ही वह 23 साल की उम्र में ऐसा कारनामा करने वाले 6ठे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गजों की सूची में अपनी जगह बना ली है। 23 साल की उम्र में बतौर भारतीय सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है। तेंदुलकर ने इस दौरान 8696 रन बनाए थे, वहीं विराट कोहली 5052 रनों के साथ ही सूची में दूसरे स्थान पर है। इस सूची में युवराज सिंह, सुरेश रैना और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं।

23 साल की उम्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन

8696 – सचिन तेंदुलकर, 5052 – विराट कोहली, 3853 – युवराज सिंह, 3350 – सुरेश रैना, 3224 – रवि शास्त्री, 3000 – यशस्वी जायसवाल

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में हार के बाद बेहद नाराज नजर आयीं। इस मैच में भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी। विश्वकप में ये भारतीय टीम की पहली हार है। पहले मैच में उसने श्रीलंका और दूसरे में पाकिस्तान को हराया था। हरमनप्रीत ने हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि शीर्ष क्रम ने रन नहीं बनाये। इस मैच में ऋचा घोष के साथ मिलकर निचले क्रम की बल्लेबाजों ने रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऋचा की इस मैच में 94 रनों की पारी के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में शुरुआती पांच विकेट गंवाने के बाद भी जीत हासिल कर ली।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'शीर्ष क्रम ने जिम्मेदारी से नहीं खेला और अपने विकेट सस्ते में ही गंवा दिये।ये गलती इससे पहले के मैचों में भी हुई थी हालांकि हमें काफी सबक भी मिले हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हमें बैठकर बात करनी होगी कि एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए कौन सी चीजें हमारे लिए प्रभावी होंगी। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच हमारे लिए मुश्किल पर हमें इससे काफी कुछ सीखने को भी मिला है। इससे हमें आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली

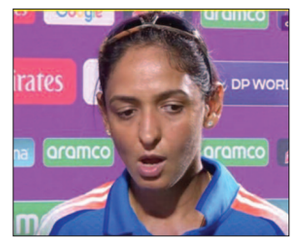

है।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला कठिन रहा। दोनों टीमों ने ही शानदार खेल दिखाया। हालांकि बल्लेबाजी करते हुए हम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 250 के स्कोर तक ही पहुंच पाये। दूसरी ओर विरोध टीम की क्लो और डी क्लार्क ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथों से छीन लिया। उन्होंने दिखाया कि पिच बहुत अच्छी थी और जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, उससे वे जीत की अधिकारी थीं।'

भारतीय टीम की ओर से ऋचा ने इस मैच में दक्षिए अफ्रीका के खिलाफ 94 रनों की पारी खेली, यह महिता एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में 8वें या उससे नीचे नंबर पर खेली गई अब तक की सबसे बड़ी पारी है। ऋचा की बल्लेबाजी को लेकर हरमन बोलीं, 'ऋचा हमेशा हमारे लिए हमेशा से ही महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं। वह हमेशा मैच का रुख बदल सकती हैं। और जिस तरह से उन्होंने कठिन हालात में बल्लेबाजी की, हम सभी इसे देखकर बहुत खुश हुए।'

रणजी ट्रॉफी : दिल्ली ने किया टीम का ऐलान, बडोनी करेंगे कप्तानी, नीतीश राणा की वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं। DDCA सचिव अशोक शर्मा ने बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे।' राणा की वापसी पर शर्मा ने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे। अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं।' बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई और मनु नायर के साथ-साथ मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य सुरिंदर खन्ना और डीडीसीए के अधिकारी अशोक शर्मा (सचिव) और अमित ग्रोवर (संयुक्त सचिव) भी शामिल हुए।

दिल्ली टीम

आयुष बडोनी (कप्तान), यश ढुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

आईपीएल 2026 नीलामी की संभावित तारीख आई सामने, रिटेंशन की अंतिम तिथि 15 नवंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। IPL 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, और 13-15 दिसंबर संभावित समय के रूप में उभर रहे हैं। फ्रेंचाइजी अधिकारियों, जिन्होंने BCCI अधिकारियों से बात की है। रिपोर्ट में बताया है कि चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है। इसके अलावा इस समय इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछले दो संस्करणों में हुआ था - पहले दुबई (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा (2024) में।

फ्रेंचाइजी सूत्रों का कहना है कि अगर BCCI भारत में ही मिनी-नीलामी आयोजित करने का फैसला करता है, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। हालांकि यह फैसला अभी तक पक्का नहीं हुआ है। यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि रिटेंशन की समय सीमा 15 नवंबर है। तब तक, फ्रेंचाइजी को उन खिलाड़ियों के नाम जमा करने होंगे जिन्हें वे नीलामी से पहले रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। बड़े पैमाने पर बदलाव के कोई संकेत नहीं हैं, सिवाय शायद चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के, जो पिछले सीजन में सबसे निचले पायदान पर रहे थे।

ये खिलाड़ी हो सकते हैं रिलीज

रिलीज सूची में कथित तौर पर शामिल खिलाड़ियों में

दीपक हुड्डा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, सैम करेन और चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के डेवोन कॉनवे भी शामिल हैं। आर अश्विन के IPL से संन्यास लेने के बाद पांच बार की चैंपियन टीम के पास पहले ही 9.75 करोड़ रुपए जुड़ चुके हैं। रॉयल्स की सूची में सबसे ऊपर संजू सैमसन होंगे, जब तक कि फ्रेंचाइजी कप्तान के लिए कोई ट्रेड नहीं कर लेती।

रॉयल्स द्वारा अपने दो श्रीलंकाई स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश दीक्षाना को रिलीज करने की योजना की भी चर्चा थी, लेकिन कुमार संगकारा के मुख्य कोच के रूप में वापसी के साथ यह सोच बदल सकती है। टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, आकाशदीप, मयंक यादव और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को नई फ्रेंचाइजी की तलाश करनी पड़ सकती है, हालांकि अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है - ठीक वैसे ही जैसे पिछली नीलामी में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर के मामले में हुआ था, जिन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

फ्रेंचाइजी के बीच चल रही चर्चा के अनुसार कैमरून ग्रीन के नीलामी में सबसे चर्चित नामों में से एक होने की उम्मीद है। चोट के कारण पिछली नीलामी से चूकने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने पहले ही कई टीमों का ध्यान आकर्षित कर लिया है और निश्चित रूप से उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

राहुल डब्ल्यूटीसी में 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों के विशेष क्लब में शामिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज़ केएल राहुल ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले ही दिन 16 रन बनाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही राहुल चैंपियनशिप विश्व टेस्ट (डब्ल्यूटीसी) में 2000 रन बनाने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज़ बन गये। राहुल ने जेडन सील्स की गेंद पर लगातार दो चौके लगाकर अपने 2000 रन पूरे किये। इसके साथ ही वह विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ डब्ल्यूटीसी में 2000 से अधिक रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की एक खास सूची में शामिल हो गये। अभी भारतीय टीम की ओर से डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन ऋषभ पंत के नाम 2731 हैं। उनके बाद रोहित शर्मा 2716 रन , शुभमन गिल 2697 रन, विराट कोहली 2617 रन, रवींद्र जडेजा 2505 रन और यशस्वी जायसवाल 2251 रन हैं। वहीं विश्व में सबसे अधिक रन का रिकार्ड इंग्लैंड के जो रूट के नाम है। रुट ने अब तक 69 टेस्ट मैचों में 6080 रन बनाए हैं।

प्रशंसक रोहित, विराट की बल्लेबाज देखने स्टेडियम जरुर जाएं : हैडिन

सिडनी । इस माह भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौर में सभी के आकार्षण का केन्द्र भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली रहेंगे। ये दोनो ही करीब सात महीने बाद खेलते नजर आयेंगे। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ब्रैड हैडिन ने क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा है कि इस बार स्टेडियम जाकर मैच जरुर देख लें क्योंकि ये विराट और रोहित का अंतिम दौरा हो सकता है। हैडिन ने कहा, ' वे खेल के महान खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि यह आखिरी बार होगा जब वे हमारे मैदानों पर खेलते दिखेंगे। इसलिए उनको खेलते हुए देखने के इस अवसर को मत खोना।' उन्होंने कहा कि शुभमन के कप्तान बनने के बाद अब रोहित केवल एक बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। भारतीय टीम का ये दौरा 19 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें वह तीन एकदिवसीय और पाँच टी20 मैच ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विराट और रोहित, दोनों ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है और अब ये दोनो केवल एकदिवसीय सीरीज में ही नजर आयेंगे। टी20 से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया था। रोहित ने साल 2017 में एकदिवसीय कप्तानी संभाली थी और अब तक 56 मैचों में 42 जीत दर्ज की हैं। उनका 75फीसदी का जीत प्रतिशत उन्हें दुनिया के सबसे सफल सफेद गेंद कप्तानों में शामिल करता है। हैडिन ने भारतीय टीम के उभरते हुए टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाजी को देखने के लिए पैसे खर्च करो।'

पूर्व क्रिकेटर जूलियन की याद में काली पट्टी बांधकर उतरी वेस्टइंडीज टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरु हुए दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर उतरे। रोस्टन चेज की कप्तानी वाली इंडीज टीम के खिलाड़ियों ने दिवंगत बर्नार्ड जूलियन की याद में काली पट्टी बांधी थी। 75 साल के जूलियन का 4 अक्टूबर को त्रिनिदाद एंड टोबैगो के वाल्सेन में निधन हो गया। जूलियन ने वेस्टइंडीज की ओर से साल 1973-77 के दौरान 24 टेस्ट और 12 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। टेस्ट क्रिकेट में जूलियन ने 30.92 की औसत से 866 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और 3 अर्धशतक शामिल हैं। जूलियन ने टेस्ट मैचों में 37.36 के औसत से 50 विकेट भी लिए हैं। वह 1975 विश्वकप विजेता टीम के भी सदस्य रहे थे।

जूलियन के नाम पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 14.33 की औसत से 86 रन दर्ज हैं। उनके नाम 18 विकेट भी हैं। दिल्ली टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में दो बदलाव किए. ब्रैंडन किंग और जोहान लेन की जगह पर विकेटकीपर टेविन इमलाच और तेज गेंदबाज एंडरसन फिलिप को शामिल किया गया है। दूसरी ओर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मैक्सवेल को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। मैक्सवेल अभी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। मैक्सवेल को उम्मीद है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम तीन मैचों तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। मैक्सवेल ने अपनी दाहिनी कलाई की सर्जरी कराई है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले नेट सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्हें भारत के खिलाफ 29 और 31 अक्टूबर को होने वाले पहले दो टी20 मैचों के लिए शामिल नहीं किया गया है। मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि सर्जरी के बाद मेरे भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज में खेलने की थोड़ी उम्मीद बनी है हालांकि इसके लिए मुझे शीघ्र फिटनेस हासिल करनी होगी।'' मैक्सवेल ने जल्द से जल्द फिट होने के लिए सर्जरी का विकल्प चुना, जिससे वह भारतीय टीम के साथ होने वाली सीरीज के अंतिम तीन मैचों में खेल सकें। ये मैच होबार्ट में दो नवंबर, गोल्ड कोस्ट में छह नवंबर और ब्रिस्बेन में आठ नवंबर को खेले जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, ''मैंने सर्जरी इसलिए करवाई, क्योंकि मुझे दो विकल्प दिए गए थे या तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज से हट जाऊं या उसमें खेलने के लिए अपनी उम्मीद बनाये रखूं। इससे मेरी उस सीरीज में खेलने की उम्मीद बनी रहेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भी मैं बीबीएल में खेल पाउंगा और मुझे लगता है कि इससे मुझे शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट रहने में सहायता मिलेगी।'' मैक्सवेल ने कहा कि उनकी कलाई से प्लास्टर हटा दिया गया है पर अभी वह सावधानी रखने के लिए प्लास्टिक की पट्टी पहनेंगे पर उन्हें कलाई को फिर से हिलाने-डुलाने की अनुमति मिल गयी है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने कहा कि वह अभी ज्यादा आगे का नहीं सोच रहे। मैक्सवेल ने कहा, ''मैं इस समय सचमुच बीबीएल के पहले दौर के बारे में सोच रहा हूं।'' मैक्सवेल ने कहा कि वह आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) को लेकर उत्साहित हैं, जहां वह मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करेंगे। उन्होंने पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन के साथ अनुबंध को टूर्नामेंट के लिए बड़ी उपलब्धि बताया।

विराट-रोहित अजीत अगरकर की शर्तों पर सहमत, न्यूजीलैंड वनडे से पहले घरेलू टूर्नामेंट में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के निर्देशों का पालन करते हुए आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में खेलने पर सहमति जताई है। यह फैसला जनवरी में होने वाली न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज़ से पहले लिया गया है। अगरकर ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि हर केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी, जो फिट और उपलब्ध है, उसे घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना होगा ताकि 2027 वनडे विश्व कप सहित भविष्य की टीम चयन प्रक्रिया में अपनी दावेदारी बनाए रखी जा सके।

अगरकर का सख्त निर्देश- 'घरेलू क्रिकेट से दूरी अब बर्दाश्त नहीं'

चयनकर्ता अजीत अगरकर ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के लगातार घरेलू टूर्नामेंटों से दूरी बनाए रखने पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय मैचों के बीच लंबा ब्रेक लेने वाले खिलाड़ियों को विजय हज़ारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंटों में खेलना अनिवार्य होगा। ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज की घोषणा के दौरान अगरकर ने दो टूक कहा था, ÷घरेलू क्रिकेट राष्ट्रीय टीम का आधार है। जो खिलाड़ी चयन की दौड़ में रहना चाहते हैं, उन्हें उसमें भाग लेना ही होगा।'

कोहली और रोहित की उपलब्धता की पुष्टि

रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली और रोहित दोनों ने 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हज़ारे ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है। दोनों खिलाड़ी कम से कम तीन से चार मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, '6 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम वनडे और 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बीच पाँच हफ़्तों का अंतर है। इस दौरान खिलाड़ी अपनी राज्य टीमों के लिए खेल सकते हैं।' रोहित मुंबई और कोहली दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारत के विनय ने पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

काहिरा (मिस्र) (एजेंसी)। भारत के उभरते पैरा पावरलिफ्टिंग स्टार विनय ने काहिरा, मिस्र में आयोजित पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दिन 72 किग्रा जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। विनय ने अपने तीन प्रयासों में 137 किग्रा, 142 किग्रा और 147 किग्रा की प्रभावशाली श्रृंखलाएं दर्ज कीं। उनके 147 किग्रा के अंतिम भार को रेफरी ने अमान्य घोषित कर दिया, लेकिन 142 किग्रा का उनका दूसरा सफल भार स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पर्याप्त था जिसमें उन्होंने पोलैंड के मिकोलज कोसियुबिंस्की को, जिन्होंने 141 किग्रा भार उठाया था, मामूली अंतर से हराया।

इक्वाडोर के सेबेस्टियन एफ. ने 137 किग्रा भार उठाकर कांस्य पदक जीता। यह विनय की दूसरी बड़ी अंतरराष्ट्रीय जीत है - इससे पहले, उन्होंने मिस्र के शर्म-अल-शेख में पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप 2024 में 59 किग्रा जूनियर वर्ग में 120 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले विनय का सफर साहस और दृढ़ संकल्प से भरा है। एक गरीब परिवार में जन्मे - उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं - विनय का जीवन तब बदल गया जब भारतीय पैरा पावरलिफ्टिंग टीम के कोच जे.पी. सिंह ने एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनकी प्रतिभा को पहचाना।

सिंह के मार्गदर्शन में विनय ने अपनी क्षमता को विश्व स्तरीय प्रदर्शन में बदल दिया। यह स्वर्ण पदक न केवल भारत के लिए अपार गौरव की बात है, बल्कि लॉस एंजेलिस पैरालंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने के रास्ते में विनय की स्थिति को भी मजबूत करता है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद, उत्साहित विनय ने कहा, 'यह पदक सिर्फ़ मेरा नहीं है - यह हर उस व्यक्ति का है जिसने मुझ पर तब विश्वास किया जब मेरे पास कुछ नहीं था।

गोरखपुर की छोटी गलियों से लेकर काहिरा के विश्व मंच तक, यह सफर आसान नहीं था। मैं भारतीय टीम के कोच जितेंद्र पाल सिंह, राजिंदर सिंह राहेलू और नितिन आर्य सर का शुक्रिया अदा करता हूँ जिन्होंने मुझमें उस समय क्षमता देखी जब किसी और ने नहीं देखी थी। मैं यह स्वर्ण पदक अपने परिवार, अपने देश और हर उस युवा एथलीट को समर्पित करता हूँ जो परिस्थितियों से परे सपने देखने की हिम्मत रखता है।'

भारतीय टीम के कोच जेपी सिंह ने कहा, 'विनय की जीत कड़ी मेहनत, अनुशासन और विश्वास की सफलता का प्रतिबिंब है। जब मैं उनसे पहली बार मिला था, तब उनमें अटूट शक्ति थी, लेकिन कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं था। आज,

वह एक विश्व चैंपियन हैं। उनकी सफलता दर्शाती है कि सही समर्थन के साथ, भारत के पैरा एथलीट किसी भी वैश्विक मंच पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।' भारत ने इस विश्व चैंपियनशिप में 3 जूनियर और 22 सीनियर एथलीटों सहित 25 पैरा पावरलिफ्टरों की एक मजबूत टीम उतारी है।

शाहीन अफरीदी की पाकिस्तान टेस्ट टीम में वापसी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिला मौका

लाहौर । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की करीब 17 महीनों के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान की टेस्ट टीम में वापसी हो रही है। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच 12 अक्टूबर से लाहौर में शुरू होगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र में यह दोनों टीमों का पहला मैच होगा। पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने 16 सदस्यीय टीम में चार विशेषज्ञ स्पिनरों को शामिल किया है। ऐसी चर्चा है कि ये मैच स्पिनरों की मददगार पिच पर खेले जायेंगे लेकिन टीम पहले टेस्ट में संतुलित गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी। शाहीन शाह अफरीदी, खुर्रम शहजाद के साथ नयी गेंद संभालेंगे, जबकि स्पिन का दारोमदार नौमान अली और साजिद खान पर होगा। 25 साल के शाहीन ने मई 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना पिछला टेस्ट मैच खेला था। दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप का फाइनल जून में लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को हराकर जीता था। टीम को पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में हालांकि कप्तान तेम्बा बावुमा की सेवाएं नहीं मिलेंगी। वह चोटिल होने के कारण इस दौरे पर नहीं आए हैं।

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंद्रे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र महुअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे हैं। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया. उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा, काली जोत्ता जैसी कई हिट फिल्में दीं। अभिनय के अलावा नीरू निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुकी हैं। उन्हें तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हॉलीवुड की फिल्म इट लिव्स इनसाइड से शुरुआत की है।

अली अब्बास जफर की फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

'सैयारा' फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित

कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है। सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है। एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है। उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी को सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

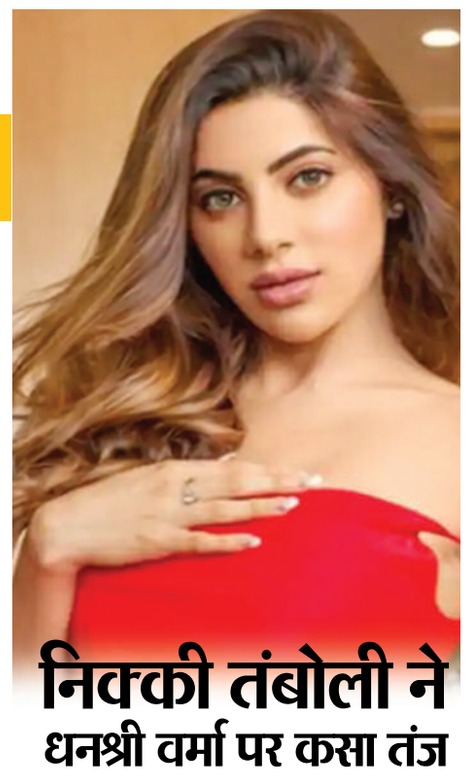

निक्की तंबोली ने धनश्री वर्मा पर कसा तंज

रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रहे अरबाज पटेल की गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली ने हाल ही में शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने धनश्री वर्मा को एक्सपोज किया है। दरअसल, निक्की ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें धनश्री कहती है निक्की ने जानबूझकर मेरे सामने बोला कि लोग वीडी में क्या बात करते हैं। मैं बेवकूफ नहीं हूं। बुलाओ उसे, बुलाओ सभी वीडी वालों को। मैंने एक बार भी आपके खिलाफ कुछ नहीं कहा है। निक्की ने इस क्लिप के साथ कैप्शन लिखा, वफादारी की अदाकारी मत करो हमारे सामने, हम शक्ल से नस्ल पहचानने का हुनर रखते हैं। बता दें, निक्की हाल ही में शो में आई थीं। इस दौरान उन्होंने अरबाज से कहा था गेम में बहुत बड़ा धोखा हो रहा है धनश्री से। वह इस सीजन में राइज एंड फॉल की सबसे ज्यादा नापसंद की जाने वाली प्रतियोगी हैं।

HRX फिल्म्स के बैनर तले ऋतिक करेंगे पहली सीरीज का निर्माण

ऋतिक अमेजन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज बनाने वाले हैं। ऋतिक का एक बड़ा ओटीटी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इस पर वो पिछले 3 साल से काम कर रहे हैं। अजितपाल सिंह इस सोशल थ्रिलर सीरीज के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जो इससे पहले वेब सीरीज टब्बर के जरिए एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। इस सीरीज के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी। सबा के साथ अलाया एफ भी इसमें अहम भूमिका में हैं, वहीं आशीष विद्यार्थी विलन बने हैं। ऋतिक का पूरा ध्यान फिलहाल प्रोडक्शन पर है, ताकि जो विजन इसके लिए उन्होंने सोचा था, वो हासिल किया जा सके। ये बतौर निर्माता ऋतिक की पहली सीरीज है। इसके बाद ऋतिक कृष 4 पर काम करेंगे, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज क्राइम बीट में छोटी सी भूमिका में देखा गया था।

अक्षय ओबेरॉय ने यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की।

अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी। मैं यहां यह कह रहा हूं कि काश इंडस्ट्री मुझे ज्यादा नोटिस करती और आप ये सवाल पूछ रहे हैं मैं इससे सहमत हूं। लेकिन वह वन-मैन इंडस्ट्री की तरह हैं। उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने या ऑफर देने के लिए किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अवसरों की जरूरत नहीं है, वह खुद उन्हें बनाते हैं। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह एक-व्यक्ति, चलता-फिरता, बोलता इंडस्ट्री है। मैं बस यही सोचता था कि अगर मैं उनके इस कैरेक्टर और ऊर्जा को पकड़ सकता हूं, तो मुझे भी कोई नहीं रोक सकता। 'टॉक्सिक' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं फैंस गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे यश की आगामी मच अवेटेड फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।
फिल्म को पहले इसी साल रिलीज होना था, लेकिन अब इसे अगले साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। 'टॉक्सिक' के अलावा यश नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

साउथ में और भी काम करना चाहते हैं अक्षय

टॉक्सिक को लेकर अक्षय ने कहा कि फैंस ढेर सारे सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस फिल्म के बारे में जितना कम कहूं, उतना ही अच्छा है। फिल्म में ढेर सारे सरप्राइज हैं। मुझे अपने किरदार में बहुत मजा आया और मुझे एक्शन करना बहुत पसंद है। आगे साउथ में और भी काम करने पर एक्टर ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलेगा तो मैं जरूर करूंगा। मैं मलयालम, तेलुगु या तमिल फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। मुझे साउथ में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा लगा और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे वहां से और भी काम मिलेगा। नई भाषा में काम करने की चुनौती के बारे में अक्षय ने कहा कि मुझे भाषाओं और लहजों में रुचि है और मुझे उनसे आनंद मिलता है। बेशक यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे इसमें बहुत मजा आता है। भाषाएं और लहजे सीखना मेरे लिए स्वाभाविक है। इसलिए मुझे काम में मजा आया।

एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही

क्लैपर बॉय से एक्टर-डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए, मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक-दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे-बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से। इन दिनों वे चर्चा में हैं कांतारा चैप्टर 1 से।

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं, तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है, मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं, असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं, तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी का संतुलन कैसे स्थापित किया

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो , प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आईडिया एक्स्प्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।